

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 34 , 01 नवम्बर से 07 नवम्बर, 2026

मूल्य - 10 रुपये | पृष्ठ 8

WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी



छुपाकर रखे 21 लाख रुपए निकालने पहुंचे तीन सरेंडर नक्सली गिरफ्तार

मैनपुर

गिरियाबंद जिले के मैनपुर क्षेत्र के कुल्हाडीघाट के राजाडेरा जंगल में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 21 लाख रुपए के डंप को निकालने पहुंचे दो महिला आत्मसमर्पित नक्सलियों और उनके एक स्थानीय सहयोगी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि यह वही कुल्हाडीघाट और राजाडेरा का इलाका है, जहां कभी खूंखार नक्सली नेताओं का साम्राज्य हुआ करता था और पुलिस के सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दुर्दांत नक्सली लीडर जयराम उर्फ चलपति को डेर किया था। मैनपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग कुल्हाडीघाट राजाडेरा जंगल में

जमीन के नीचे दबाकर रखे गए नक्सलियों के गुप्त फंड को निकालने पहुंचे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तय्यारी दिखाते हुए इलाके की चारों तरफ से नाकेबंदी और घेराबंदी की। इसी दौरान जंगल से एक भारी बैग लेकर लौट रहे तीन संदिग्ध पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए तीनों को दबोच लिया। आरोपियों के पास से एक काले रंग का बैग मिला, जिसके अंदर टिफिन पैक में 500-500 रुपए के नोटों के बंडल रखे हुए थे। गवाहों के समक्ष गिनती करने पर कुल 21 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। इसके अलावा उनके पास से तीन मोबाइल फोन और एक टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

जहां डेर हुआ था चलपति, उसी राजाडेरा जंगल में था गुप्त खजाना



गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2), 61(2) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 17, 18, 20, 38 और 40 के तहत मामला दर्ज किया है।

ठेकेदारों और आम लोगों से की गई थी अवैध वसूली

पकड़े गए आरोपियों की पहचान

पुलिस गिरफ्तार में आए आरोपियों में चलपति की गार्ड रही सिने उर्फ रोशनी (25 वर्ष) निवासी गामहावाकर, जिला सुकमा। एटेगुदा, जिला सुकमा की बूझरी मुदावरी उर्फ बुद्धी उर्फ रोनी (35 वर्ष) सीमापाली दलम वही पूर्व कमांडर और स्थानीय सहयोगी मोहर मरकम (36 वर्ष) निवासी मुल्होड़ा, थाना मैनपुर, जिला गरियाबंद के रूप में पहचान हुई है।

पुलिस ने आरोपियों ने बताया कि बरामद 21 लाख रुपए नक्सलियों द्वारा ठेकेदारों और आम लोगों को डरा-धमकाकर अवैध वसूली के जरिए जुटाए गए थे। 2024 में खूंखार नक्सली कमांडर चलपति ने इस बड़ी रकम को राजाडेरा जंगल में पहाड़ी के पास जमीन के अंदर छिपाकर रखा था। पुलिस के अनुसार, दोनों महिला आरोपियों ने पहले शासन की पुनर्वासि नीति के तहत आत्मसमर्पण कर दिया था और सुकमा पुनर्वासि कैंप में रह रही थीं। कैंप में रहने के दौरान ही उन्होंने अपने पुराने साथी मोहर मरकम से संपर्क किया और जंगल में छिपाकर रखे गए इस खजाने को निकालकर एक बार फिर नक्सली संगठन की गतिविधियों को आर्थिक मजबूती देने की योजना बनाई थी। हालांकि, पुलिस की सतर्कता से योजना यह सजिश नाकाम हो गई।

नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप का आरोप

एजेंसी ►► श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एक्जुटु हो गए हैं। 18 विधायकों ने शुक्रवार की श्रीनगर में लालाब विधायक कैसर जमशेद लोन के घर बैठक की, जबकि 6 विधायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला

बैठक में विधायकों ने 4 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला किया। इसकी अगुआई पार्टी के सीनियर लीडर और गुरेज विधायक नजीर अहमद गुरेजी तथा थानाडी विधायक मुजफ्फर इकबाल खान करेंगे। प्रतिनिधिमंडल पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मिलकर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेगा। विधायकों ने नेतृत्व के जवाब का इंतजार करने और उसके बाद आगे की रणनीति तय करने का फैसला किया है।

गुप्त बैठक कर प्लान तैयार, 4 दिन पहले हुए मंत्रिमंडल विस्तार से नाराज

खतरे में अब्दुल्ला की कुर्सी? 24 विधायकों ने कर दी बगावत

जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एक्जुटु हो गए हैं। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं।



एनसी के हैं 41 विधायक

आपको बता दें कि 90 विधायकों वाली विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 41 विधायक हैं। उमर अब्दुल्ला को कांग्रेस के उग्र विधायकों का समर्थन है। वहीं, कुछ छोटी पार्टियों और निर्दलीय विधायकों ने भी सरकार बचाने में साथ दिया है। ऐसे में अगर 24 विधायकों का बगावत शांत नहीं हुआ तो उमर अब्दुल्ला की सरकार खतरे में आ सकती है। विवाद अविरल प्रस्ताव की मांग तक कर सकता है।

यह है बागी विधायकों की मांगें

नेशनल कॉन्फ्रेंस के सभी 24 बागी विधायक मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सलाहकार नासिर अहमद खान की हटाने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री सुरेश चैदरी को हटाया जाए, जिन मंत्रियों ने अपने पद पर दो साल पूरे कर लिए हैं उन्हें हटाना जाए और मंत्रिपरिषद का पूरी तरह से पुनर्गठन किया जाए। विधायकों के साथ-साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के श्रीनगर से सांसद आगरा उलुल्लाह ने भी घोषणा की है कि वे अपनी संसदीय सीट और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे। अब्दुल्ला के साथ उलुल्लाह के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। अब उन्होंने पार्टी से अलग होकर अपना अलग रास्ता चुनने का फैसला किया है।

यह भी कहा विधायकों ने

बैठक में शामिल विधायकों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने पार्टी नहीं छोड़ने की शपथ भी ली। हालांकि, कुछ लोगों पर पार्टी के आंतरिक कामकाज को कमजोर करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, गुरेज विधायक नजीर अहमद गुरेजी ने बैठक को सामान्य मुलाकात बताया। उन्होंने कहा कि कैसर जमशेद लोन ने दोपहर के भोजन पर बुलाया था और इसे राजनीतिक बैठक नहीं माना जाना चाहिए।

कई दावेदारों को नहीं मिली जगह

27 अक्टूबर के कैबिनेट विस्तार में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 4 विधायक अली मोहम्मद सागर, मोर सेफुल्लाह, शमीमा फिरोज़ और अलताफ अहमद करचू मंत्री बनावे गए। वहीं, निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था। इस विस्तार में कई ऐसे वरिष्ठ विधायक भी नहीं बन सके, जिनके नाम की चर्चा थी। इनमें नजीर अहमद गुरेजी और मुबारक गुल भी शामिल हैं। मुबारक गुल को बाद में फारूक अब्दुल्ला ने अली मोहम्मद सागर की जगह पार्टी का महासचिव नियुक्त किया।

बेंगलुरु की घटना

5-स्टार होटल के स्वीमिंग पूल में करंट, 2 विदेशियों की मौत

एजेंसी ►► बेंगलुरु

कर्नाटक के बेंगलुरु शहर में फाइव-स्टार होटल में स्विमिंग पूल में करंट लगने से 2 विदेशी नागरिकों की मौत हो गई है। यह घटना शहर के फाइव-स्टार कॉनराड होटल में हुई। पीड़ितों की पहचान जर्मन और स्लोवाकियाई नागरिकों के रूप में हुई है, जो होटल में ठहरे हुए थे। दोनों मृतकों के अलावा उन्हें बचाने की कोशिश में 2 और लोग घायल हो गए हैं। आरोप लगाया गया है कि



दोनों मौतें कॉनराड होटल मैनेजमेंट की तरफ से स्विमिंग पूल के रखरखाव में लापरवाही बरतने के कारण हुई। घटना पर होटल मैनेजमेंट की तरफ से अभी तक कोई कमेंट नहीं आया है।

एक कमरे का किराया 25 हजार प्रतिरात

कन्नडा एक लज्जती 24-मंजिला फाइव-स्टार होटल है, जो हिटलन गुप का हिस्सा है। इस घटना ने होटल की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जहां एक स्टैंडर्ड कमरे में रहने से कम 25000 प्रति रात है, वहां ऐसी घटना घटाने वाली है। मुक्त की पहचान जर्मन नागरिक अलेक्जेंडर मैथिलियस थीस (57) के तौर पर हुई है, जो लुधिया फायरलाइंस में बतौर कू मैनर काम करता था। दूसरे की पहचान स्लोवाकिया के नागरिक जुराज होवैट (45) के रूप में हुई है, जो आईबीएम में प्रोजेक्ट मैनेजर था।

आंध्र प्रदेश में सनसनीखेज वादनात

स्कूल में घुसकर छात्रा पर आरी से हमला, काट दिया गला

एजेंसी ►► अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां रापताडु में स्कूल परिसर के अंदर 10वीं कक्षा की एक छात्रा पर लकड़ी काटने वाली आरी से जानलेवा हमला किया गया। वारदात के दौरान स्कूल में छात्र और शिक्षक मौजूद थे। दिनदहाड़े स्कूल के अंदर हुई इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। फिलहाल मामले में पुलिस ने

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जानकारी में हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। जानकारी के मुताबिक घटना स्कूल के समय की है। आरोप है कि एक व्यक्ति स्कूल परिसर में घुस आया और छात्रा पर अचानक आरी से हमला कर दिया। हमले में छात्रा का गला काट गया, फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर ने उसके चेहरे और फिर पर भी गंभीर वार किए। हमले के बाद छात्रा खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ी।

स्कूल परिसर में हमले से मची अफरा-तफरी

स्कूल के अंदर इस तरह की हिंसक वारदात से छात्रों और स्कूल स्टाफ के बीच अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल छात्रा को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। छात्रा की हालत को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में छात्रा का दायं हाथ काट गया और चेहरे, कंधे और कान पर गंभीर लोट आई। उसे बचाने पहुंची दूसरी छात्रा भी घायल हो गई।

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश एवं रेल मंत्री ने वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का शुभारम्भ किया



वाराणसी। मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा बनारस रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, वाराणसी सिटी-राजातालाब के मध्य ट्रेन सेवा एवं प्रयागराज रामबाग-बनारस ट्रेन सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

इसके पूर्व, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निरीक्षण किया। इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्रेन में बच्चों, यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों तथा लोकों पायलटों से संवाद किया। उन्होंने रेल कर्मचारियों से सदैव सद्भावपूर्ण व्यवहार करने तथा ट्रेन में स्वच्छता के मानक को बनाये रखने का आह्वान किया और लोकों को पायलटों का उत्साहवर्धन किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरदार बल्लभ भाई पटेल जी जयंती पर उनको नमन करते हुए कहा कि आज माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में देश एवं भारतीय रेल आगे बढ़ रहा है। भारतीय रेल देश को उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम तक सम्पूर्ण भारत को एकता के सूत्र में पिरो कर स्वतंत्रता सेनापतियों एवं राष्ट्र नायकों के सपनों को साकार कर रही रही है। उन्होंने कहा कि आम भारतीय की सवारी भारतीय रेल को आधुनिक स्वरूप दिया है। प्रदेश में पहले आधा मीटर गेज आधा ब्रॉड गेज होता था, आज उत्तर प्रदेश के अंदर सभी लाइन्स ब्रॉड गेज की है और विद्युतीकृत हैं। उन्होंने कहा की काशी से दिल्ली जाने में 13 से 14 घंटे पहले लगते थे, आज वंदे भारत स्लीपर से यह दूरी 8 से 9 घंटे में पूरी होगी। पहली वंदे भारत नई दिल्ली से वाराणसी के लिए चलाई गयी थी, और उसमें चेर कर की सुविधा है और आज से चली जा रही वंदे भारत स्लीपर से आपकी यात्रा काफी सुखद होगी। यात्री काशी

से रात्रि में चलकर सुबह दिल्ली तथा दिल्ली से रात्रि में चलकर सुबह काशी पहुंचेंगे। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन देश की आध्यात्मिक राजधानी को देश की राजधानी से जोड़ेगी। माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका है। वाराणसी रेलवे से राजातालाब तक यात्रियों की सुविधा के लिए मेमू ट्रेन का संचलन किया जा रहा है। 95 रुपए में इससे महीने भर में यात्रा होगी। आज से बनारस से प्रयागराज के लिए मेमू ट्रेन का शुभारम्भ किया जा रहा है, इसका महीने भर का किराया मात्र 220 रुपया है। यह काफी आकर्षक और सुविधाजनक है। अधिकांशों, किसानों, छात्रों, महिलाओं के लिए यह एक अच्छी सुविधा है। भारतीय रेल आज तेजी से संचलन प्रारंभ हो रहा है। आगे बढ़ा है। पहले अनाश्रित सम्पार भारतीय रेल की चुनौती थी, दुर्घटनाओं में सैकड़ों की मात्रा में जनहानि होती थी। आज रोड ओवर ब्रिज या अंडर पास की सुविधा है। यह रेलवे का जनता के प्रति रेलवे के संवेदनशीलता का उदाहरण है। प्रदेश वासियों के लिए गौरव की बात है की फ्रेट कॉरिडोर का एक हजार किलोमीटर से अधिक हिस्सा उत्तर प्रदेश में है। इसके लिए अलग लाइन बनाई गयी है, और माल जल्दी और सुरक्षित पहुंचता है। दिल्ली से काशी के बीच हाई स्पीड कॉरिडोर बनने से साढ़े तीन घंटे में यह दूरी होगी। श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी, वाराणसी, बनारस सहित प्रदेश में 157 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है, फसाड में स्थानीय संस्कृति दिखाई पड़ रही है। स्टेशनों पर स्वच्छता काफी बढ़ी है। आज रेलवे पटरियां, रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनें काफी स्वच्छ है। इन नयी ट्रेन सेवाओं के लिए उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने समारोह संबोधित करते हुए कहा कि आज बनारस से वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के साथ 10 मेमू ट्रेनों का संचलन प्रारंभ हो रहा है। वाराणसी सिटी-राजातालाब के मध्य 08 मेमू ट्रेन अपने यात्रा मार्ग में वाराणसी, बनारस, भुलनपुर, हरदत्तपुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस गाड़ी से वाराणसी सिटी से राजातालाब तक एम. एस. टी. का किराया 95 रुपया है। दो वर्षों के भीतर रेलवे के लिए 12 वर्षों को जोड़ेगी, जिससे छात्रों, किसानों, व्यावसायिकों को काफी सुविधा होगी। यह मेमू सेवा अपने मार्ग में राजातालाब, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड,

वंदे भारत स्लीपर में यात्रियों के साथ ही इसमें काम करने वाले कर्मचारियों के लिए विशेष सुविधा : रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

बनारस में 10 मेमू ट्रेनों का संचलन प्रारंभ

हॉटिया खास और बूसी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन से छात्रों के लिए बनारस से प्रयागराज तक का एक महीने का किराया 220 रुपया है। वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत स्लीपर में यात्रियों के साथ साथ इसमें काम करने वाले कर्मचारियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। रेलवे पर प्रधानमंत्री जी की विशेष दृष्टि रहती है। इस ट्रेन में मध्य एवं उपर दूरी तय होगी। श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सांझी लगायी गयी है। यह ट्रेन न केवल वाराणसी बल्कि पूरे पूर्वांचल के लिए बड़ी सीमांत होगी। यह गाड़ी का समयसारणी इस प्रकार का है कि रात में वाराणसी से चलकर सुबह दिल्ली पहुंचे और दिल्ली से रात्रि में चलकर सुबह वाराणसी पहुंचे। देश की पहली वंदे भारत स्लीपर जो कोलकाता से गुवाहाटी के बीच चलती है, वह जनता में काफी लोकप्रिय हुयी है। आलोचकों ने भी काफी इस गाड़ी की काफी प्रशंसा की है। रेल मंत्री ने कहा कि सरकार ने बुलेट ट्रेन के नार्थ कॉरिडोर की स्वीकृति प्रदान की है। यह कॉरिडोर दिल्ली से आगरा, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, पटना होते हुए गुवाहाटी जाएगी। इस परियोजना के पूरा होने पर समय की बचत काफी होगी। दिल्ली से वाराणसी की दूरी साढ़े तीन घंटे में पूरी होगी। यह बुलेट परियोजना पूर्णतः स्वदेशी होगी। पिछले 12 वर्षों में भारतीय रेल में अभूतपूर्व बदलाव हुये हैं। इसका प्रमुख कारण रेलवे के लिये पर्याप्त धनराशि का आवंटन है।

सरदार पटेल जयंती : सीएम योगी बोले- मिलकर करना होगा जातिवाद और जिन्नावाद का मुकाबला

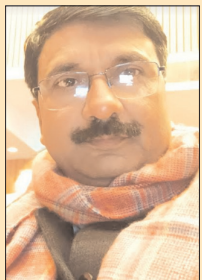
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लौहपुरुष की जयंती पर समाज को बांटने वाली ताकतों पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता को तब खतरा होता है, जब हम जाति, क्षेत्र के नाम पर बंटते और कमजोर होते हैं। जब शरीर की प्रतिरोधक क्षमता समाप्त हो जाती है, तब बीमारी होती है। जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद वही बीमारी है, जो समाज की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करती है और फिर आक्रांताओं को हमला करने के लिए आमंत्रित करती हैं। लौहपुरुष का अनुयायी वही हो सकता है जो भारत की एकता, सुरक्षा को संवर्धन रखता है। जिन्ना को आदर्श मानने, समाज को बांटने वाले विभाजनकारी लोग वल्लभ भाई पटेल के सच्चे अनुयायी नहीं हो सकते। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लौहपुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती का आयोजित कार्यक्रम में लिया हिस्सा लिया। उन्होंने जीपीओ फ़िक्ट सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पजलि अर्पित कर राष्ट्रीय एकता दिवस पर लोगों को शपथ दिलाई। सीएम ने कहा कि यह शपथ सरदार पटेल की उस भावना का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके लिए उन्होंने जीवन जिना। मुख्यमंत्री ने सरदार वल्लभ भाई पटेल को भारत गणराज्य का शिली, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी नेतृत्वकर्ता बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 2014 के बाद से 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में अनवरत आयोजित किया जाता है। इसमें राष्ट्रीय एकता की शपथ, राष्ट्रीय एकता दौड़ समेत लौहपुरुष के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए रचनात्मक कार्यों के साथ समाज को जोड़ने का अभियान बढ़ाया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष लौहपुरुष की 151वीं जयंती है। गत वर्ष उनकी यावन जयंती के 150 वर्ष पूर्ण होने पर डबल इंजन सरकार ने अनेक कार्यक्रम आयोजित किए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा लौहपुरुष सरदार पटेल की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए आज हर जनपद में एक इंदुलायमेट व इंडस्ट्रियल जैन के गठन की कार्रवाई का भी शुभारंभ कर रही है।

सम्पादकीय

हिंसा रोकने की शर्त या असहमति पर अंकुश, लोकतंत्र की असली कसौटी

उत्तर प्रदेश सरकार ने अलग-अलग विभागों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती से चुने जाने वाले अस्थायियों के चरित्र प्रमाणपत्र से जुड़े नियमों में एक अर्थम बदलाव किया है। इसके तहत यह कहा गया है कि राज्य में व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से अगर कोई युवा सड़क पर उत्तरकर हिंसा करता है, तो उसे सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। इसमें कोई दोराय नहीं कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में हिंसक गतिविधियों के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। इसलिए अगर सरकार हिंसा की प्रवृत्ति को हेतुताहित करने के उद्देश्य से कोई पहल कर रही है, तो इसका आशय समझना चाहिए। मगर इसके समोतर यह प्रश्न भी अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है कि हिंसा को न पनपने देने के सरकार के कदम अप्रत्यक्ष रूप से लोकतांत्रिक स्वयं को बाधित तो नहीं करेंगे? गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अलग-अलग विभागों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती से चुने जाने वाले अस्थायियों के चरित्र प्रमाणपत्र से जुड़े नियमों में एक अर्थम बदलाव किया है। इसके तहत यह कहा गया है कि राज्य में व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से अगर कोई युवा सड़क पर उत्तरकर हिंसा करता है, तो उसे सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। नए नियमों के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति ऐसे संशुद्ध



सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

से निपटना एक बड़ी चुनौती हो जाती है। मगर यह जरूरी नहीं है कि भारत को भी सरकार से असहमति जाहिर करने के लिए यहां के युवा वही तरीका अपनाएं। आमतौर पर हमारा देश लोकतांत्रिक परंपराओं में विश्वास रखता है और इसी के अनुरूप सरकार के समर्थन या विरोध में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी राय अभिव्यक्त करता है। ऐसे में हिंसा के जरूढ़ किसी रास्ते से सरसरकारी की ओर से अलग से न नियमों की घोषणा की जरूरत का संदेह नहीं समझना मुश्किल है। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि हिंसा में स्पष्ट भागीदारी की अंतिम पुष्टि होने तक किसी को नौकरों के अवसर से वंचित नहीं किया जाएगा, लेकिन सवाल यह है कि इस मामले में सरकार को नए नियमों की व्याख्या क्यों करेगा। आम जनता के आंदोलन में हिंसा की परिभाषा किस आधार पर तय की जाएगी और यह कैसे सुनिश्चित होगा कि विरोध के किसी स्वरूप को सरकार हिंसक घोषित नहीं करेगी? यों यह कोई पहला मामला नहीं है कि हिंसा के आधार पर नौकरी से वंचित करने का नियम लागू करने की कोशिश की जा रही है। वर्ष 2021 में बिहार में भी एक आदेश में कहा गया था कि विरोध प्रदर्शन के दौरान हंगामा हुआ और उससे कारून-व्यवस्था की समस्या पैदा हुई, तो प्रदर्शन में शामिल लोगों को सफाई नौकरी से वंचित होना पड़ेगा। तब इस संदर्भ में चरित्र प्रमाणपत्र निर्गत करने का भी निर्देश जारी हुआ था। सवाल है कि उत्तर प्रदेश में जारी नए नियमों का उद्देश्य वास्तव में विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले आम लोगों या युवाओं के हिस्से से दूर रखना है या फिर इसके जरिए एक डर पैदा किया जाएगा, ताकि सरकार के खिलाफ अग्रहमति के स्वरूप उभरने से पहले ही दब जाए? जिस दौर में बेरोजगारी पहले ही देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती में एक है, उसमें ऐसी शर्तों का वास्तविक अर्थ क्या होगा? लोकतंत्र में हिंसा की जाह नही हो सकती।

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख: क्या अब सुधरेंगे फ्रॉड पीड़ितों के हालात?

अशोक भाटिया

भारत में डिजिटल क्रांति ने जहाँ आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाया है, वहीं इसमें ऐसे अहङ्ग और खोखलापन अपाय तंत्र को भी जन्म दे दिया है जिससे देश की पूरी बैंकिंग और सुरक्षा व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आज के दौर में साइबर प्रॉब और विश्वेश्वर सचें 'डिजिटल अहङ्ग' जैसी झपटपट की मध्यमायी तरह फैल चुकी है। जहाँ पलक झपकते ही किसी व्यक्ति की जीवनभर की गूढ़ी कमाई अपराधियों के खतों में चली जाती है, ऐसे माहौल में देश की सुरक्षा बंधू अवलल, सुयोग कोंट का हालिया खूब न केवल डिजिटल और साइबर फ्रॉड के पीछों के हक में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्लेक वह देश की अल्लक प्रणाली के लिए एक बेहद सख्त आवलल, सुयोग की है। अवलल ने बहुत खुश शब्दों में कहा है कि यलन वैकों की अवललता या उनकी उचित सावधानी (ड्यू डिलिजेंस) में कवी के कारण कोंट नागरिक ठगी का शिकार होता है, तो संवंधित वैकों को उस नुकसान की पूरी भरपाई करना होगा। मुख्य न्यायाधीश की अवलल वाली पीठ का यह निर्देश मानने में क्रांतिमयी है क्योंकि वह पहली बार उपभोक्ताओं के नुकसान की सीधी जवाबदेही उन वित्तीय संस्थानों पर खलता है, जो सुरक्षा का दावा तो करते हैं लेकिन अवलल कर्मियों को छिपाने में लगे रहते हैं। अवलल द्वारा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की आगामी संशोधित 'केवाईसी अनिवार्य रूप से' पीठों को सुमुआजना देने का प्राधान्य अनिवार्य रूप से शामिल करने का आदेश देना एक ऐसा नीतिगत बदलाव है, जिसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। इस आदेश के तहत अवललआवों को तीस नंबर दो हजारी छब्बिस तक नू नू नू नू अधिसूचित करने हैं, जो इकतिस दिसंबर दो हजार छब्बिस से देश भर में प्रभावी हो जाएँ। अवलल का यह समबद्ध ईशकोण धरता है कि न्यायपालिका इस संकट की गंभीरता को कितनी गहराई से महसूस कर रही है।

इस पूरे संकट का सबसे स्याह पहलू यह है कि अब तक साइबर अपराध के मामलों में पूरी व्यवस्था का दृष्टिकोण केवल पीड़ित को उपदेश देने या उसे जागरूक करने तक ही सीमित रहा है। सरकारों, पुलिस और ब्राह्मण विज्ञापनों के के माध्यम से यह कहकर अपना पला झाड़ लेते हैं कि किसी भी को अपना ओटीपी या पासवर्ड न बताएं। परंतु, आज का



साइबर अपराध केवल ओटीपी चोरी करने तक सीमित नहीं रह गया है। 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी नई और परिष्कृत तकनीकों में अपराधियों द्वारा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का फजी खूब धरकर, पीडितों को मानसिक रूप से बंधक बना लिया जाता है और अत्यधिक मनोवैज्ञानिक दबाव में उनसे पैसे ऐंठे जाते हैं। ऐसे में साधारण नागरिक, चाहे वह कितना भी पढ़ा-लिखा क्यों न हो, भय और भ्रम के जाल में फँस जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार किया है कि एस साल दोष में डिटलिंग अरेस्ट और साइबर फ्राँड के कारण जनता ने लाभान् आट सो करोड़ रुपये की भारी भ्रमक रणियाँ गंवाई है। हजारों परिवारों केवल एक संख्या नई है, बल्कि यह उन हजारों अंधकों की मानसिक प्रताड़ना, आर्थिक तबाही और टूटे हुए सपनों की दारता है, जिन्होंने अपनी जमा-पूजी को सुरक्षित मानकर बैंकों के हवाले किया था। जब कौनों अपराधी किसी खाते से करोड़ों रुपये ट्रांसफर करने में सफल हो जाता है, तो यह केवल पॉइंट ऑफ सार्फन नई, बल्कि उस बैंक के सुरक्षा चक्र की पूर्ण विफलता को दर्शाता है। अदालत ने इस बिंदु पर प्रहार करते हुए बैंकों को निर्देश दिया है कि यदि किसी खाताधारक के सामान्य व्यवहार या पुनर्ने पैटर्न से अलग कोई 'असामान्य ट्रॉजेशन' या सारिगन होनी। यह एक ऐसा सुरक्षात्मक कदम है जो अगर पहले से मुस्तेदी से लागू होता, तो आज आर सो करोड़ रुपये का यह राष्ट्रीय नुकसान रोक जा सकता था। इस पूरी संवेत अपराधी को रीढ़ की हड्डी 'म्यूल अकाउंट्स' यानी वे फर्जी बैंक खाते हैं, जिनका उपयोग साइबर डॉ अगुनी पहचान छिपाने और पैसों को अलग-अलग खातों में घुमाने के लिए करते हैं। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि बिना बैंकों के भीतर बैठे कुछ प्र

पति पत्नी और करवा चौथ

संतोष उत्सुक

ज्योतिषी सरगी का समय सुबह छ बजे के बाद बताते हैं लेकिन बहुत सी परिवर्णा सुबह चार बजे ही उठ जाती हैं क्योंकि उन्हें अपनी सास के जमाने से आदर है। कर्वा के व्रत से सास ईफेन्त जमाता नहीं। जब हम असला बुद्धि के जमाने में थे तो कई नकली परिवर्णन किए अब नकली बुद्धि के युग में हैं।

(त्यग्य) पति की उम्र बढ़ाने के लिए पत्नी को पटाने, कर्वा चौथ का व्रत जितंदी में फिर आ गया है। एक राष्ट्रीय अखबार ने एक बहिया खबर छापी कि चांद देखे बेगैर भी खोला जा सकता है व्रत। एक पीएचडी ज्योतिषाचार्य ने समझाया कि अगर मौसम खराब हो, बादल छपने के कारण चांद दिखाई न दे तो भी चिंता करने की जरूरत नहीं। कहीं से भी चांद देखने की सूचना मिलते ही व्रत खोला जा सकता है। वॉशिंग्टन कालिग चंद देवना वैध माना गया है। ज्योतिषी सरगी का समय सुबह छ बजे के बाद बताते हैं लेकिन बहुत सी परिवर्णा सुबह चार बजे ही उठ

जाती हैं क्योंकि उन्हें अपनी सास के जमाने से आदत है। करवा चौथ के व्रत से सास झूंकट्ट जाता नहीं। जब हम असली बुद्धि के जमाने में थे तो कई नकली परिवर्तन किए अब नकली बुद्धि के युग में तो लोहार मानने की शैली में असली परिवर्तन होना चाहिए यानि जैसे प्राचीन काल में स्त्रियां व्रत रखती थीं वैसे रखें ताकि पति की जान वास्तव में सलामत रहे और पति से भी सम्मान मिले।

इंसान ने अपनी बनाई कृत्रिम बुद्धि के कारण कुदरत द्वारा दी नैसर्गिक बुद्धि को नकारना शुरू कर दिया है।
लक्करा दुसरी तरफ पूरे होश और जेज के साथ परम्परा को
और संस्कृति की लकीरों को पीटा जा रहा है। काफीनी पर
कोरिस्थितिये करने पर परम्पराएं जूट नहीं जा रही।
परिस्थितियों में निरंतर बदलाव, ज़ुदगी में उगती जा रही
वस्तु की कमी के कारण कुछ परम्पराएं बदल भी
हैं। कर्वा चौकी की रात को खाने का तरीका बदला है।
रिसोर्ट और होटल में जाकर व्रत खोल रहे हैं जोकि
पौराणिक परम्परायिक संस्कृति के अनुसार गलत मानना
चाहिए। पूजा सम्य पर नहीं करते लेकिन पूजा दिनांक

दुनिया आज एक ऐसे विरोधाभास के दौर से गुजर रही है, विस्थापन और पर्यावरणीय विनाश की चुनौतियाँ लगातार दि भी करोड़ों लोग जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं के लिए प्रस्तुत करती है। यह रिपोर्ट बताती है कि जलवायु उत्तराधिकार का परिणाम भी है। दुनिया की लगभग 80 लाख जीवन को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह वर्तमान का अंतर नहीं, बल्कि मानवीय स



ललित गर्ग

आबादी स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी और दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। सवाल यह नहीं कि किसी व्यक्ति के पास कितनी संपत्ति है, बल्कि यह है कि उसकी संपन्नता का सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य कौन चुका रहा है।

इस संकट का सबसे भयानक पक्ष यह है कि जलवायु आपदाएँ भी अभी और गहरी हो चुकी हैं और जलवायु परिवर्तन के बीच प्रभावकारक बनें लगी हैं। बाढ़ एक ऐसी समस्या में अमीर की आलीशान कोठी और गरीब की छोपटी तक पहुँचती है, लेकिन दोनों के परिणाम अलग होते हैं। अमीर सुरक्षित स्थानों पर चले जाते हैं, बीमा और आर्थनिक सुविधाओं से उसका पता चला, भूख, ठंड, चले होते हैं, जबकि गरीब अपना घर, पशुधन और आजीविका गंवाकर वर्षों पीछे चल जाता है। अक्सरफैम के अनुसार, अधिक आर्थिक असमानता वाले देशों में बाढ़ से होने वाली मौतें सात गुना तक अधिक होती हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का उत्पन्न भविष्य में लगभग 19 लाख अतिरिक्त गरीब-बंधी मौतों का कारण बन सकता है। इनमें 78 प्रतिशत मौतें निम्न एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों में होने का अनुमान है। आर्थिक असमानता का यह अंतर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। जब समाज में संसाधनों, असरों और अधिकारों का वितरण अन्यायपूर्ण हो जाता है, तब असंतोष जन्म लेता है। बेरोजगारी, महंगाई, खाद्य संकट, जल संकट और वैश्वीकरण सामाजिक तनाव को बढ़ाते हैं। धीरे-धीरे यही तनाव आक्रोश, विद्रोह, अपराध, सामुदायिक संघर्ष और हिंसा का कारण बनता है।



रूप ले सकता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक हिंसा के पीछे केवल आतमी-पराधी का अंतर है, लेकिन जब विकास का लाभ सीमित हाथों में सिमटता है और संकट का बोझ बहुसंख्यक आबादी पर पड़ता है, तब समाजिक शांति की नींव कमजोर होना स्वाभाविक है। डिडबना यह है कि कुछ बड़े निवेशक पहले प्रदूषणकारी उद्योगों से मुनाफा कमाते हैं और फिर उन्हीं आपदाओं से निपटने, सफाई तथा पुनर्निर्माण के कारोबार में लाभ अर्जित करते हैं। ऑक्सफैम का डिस्ट्रिक्ट एंड रीबिल्ट डेवेलप 2017 कंपनियों के माध्यम से इसी दोहरे मुनाफे की पड़ताल करता है। यह सचमुच पैसे व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है, जहां किसी के लिए आपदा भी अवसर बन जाती है और किसी के लिए जीवनभर का अभिशाप।

भारत के संदर्भ में यह चेतावनी और भी गंभीर है। भारत की विशाल आबादी का बड़ा हिस्सा कृषि, निर्माण, छोटे व्यवसायों और अलग-अलग क्षेत्र पर निर्भर है। किसान अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और तापमान वृद्धि से जूझ रहा है। मजदूर भीषण गर्मी में काम करने को विवश है और महानगरों की

युगी-बस्तियों में रहने वाले परिवार जलभराव तथा गर्मी की दोहेरी भार झेल रहे हैं। विषय बैंक के अनुसार, भारत की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसे जिलों में रहती है जो जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न अपाढ़ों के जोखिम में हैं। वहीं, देश के 57 प्रतिशत जिलों में रहने वाली लगभग 76 प्रतिशत आबादी अस्थिरिक गर्मी के उच्च या बहुत उच्च जोखिम का सामना कर रही है। भारत के लिए चुनौती केवल आर्थिक विकास की गति बढ़ाना नहीं, बल्कि विकास को न्यायपूर्ण, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है।

विकास होगा, जब विकास की चमक आँसु में पर्यंत में खुदे व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यदि एक ओर महानगरों में विलासिता और उष्णोष्ण के नए कॉमिनि बनें और दूसरी ओर गांवों में किसान पान, बिजली और आजीविका के लिए संघर्ष करता रहे, तो विकास की तस्वीर अधूरी ही रहेगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत को दुनिया के सामने यह उद्घरण प्रस्तुत करना होगा कि आधुनिक समृद्धि



प्रकृति के संरक्षण के बीच संतुलन संभव है। इसके लिए कुछ बुनियादी प्राथमिकताएँ आवश्यक हैं। संपन्न वर्ग और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले उपयोगों की जवाबदेही तय हो, वित्तासिद्धांश उपयोग पर उचित कर व्यवस्था बनने, स्वच्छ ऊर्जा की प्रोत्साहन मिले और जल, जंगल तथा जमीन के संरक्षण को विकास की अनिवार्य शर्त बनाया जाए। साथ ही, जलवायु अपदाओं से प्रभावित किसानों, मजदूरों और कमजोर समुदायों के लिए सामाजिक सुरक्षा, बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएँ तथा पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था हो। विकास का लाभ केवल पूंजी के स्वामियों तक सीमित न रहे, बल्कि श्रम करने वाले हाथों तक भी पहुँचे।

भारत का सांस्कृतिक चेतना में सर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम् और अपरिग्रह जैसे जीवन-मूल्य सदियों से प्रतिष्ठित रहे हैं। महात्मा गांधी का सादा जीवन, उच्च विचार केवल व्यक्तिगत आचरण का संदेश नहीं, बल्कि संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व का दर्शन है। जैन दर्शन का अपरिग्रह भी यही सिखाता है कि

आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः समाज में असंतुलन पैदा करता है। प्रकृति हमारी असंमित नहीं, और वाली पीढ़ियों की धरोहर है। अतः आक्सफैम की डिजास्टर डिवाइड्ड थिंकिंग रिपोर्ट दुनिया के सामने एक बुनियादी नैतिक प्रश्न खड़ा करती है- क्या विकास और प्रकृति कुछ लोगों की असंमित समृद्धि और बहुसंख्यक मानवीय की बहुत ही विवशता है ? पृथ्वी की किसी एक वर्ग की जागीर नहीं, न ही एक संस्थाओं पर किसी मुद्दे भर लोगों का एकधिकार हो सकता है। आज आवश्यकता अमीरी को अपराध मानने की नहीं, बल्कि अमीरी के साथ जवाबदेही जोड़ने की है। याद रखना होगा कि जब समाज में विषमता की खाई बहुत गहरी हो जाती है, तब असंतोष की अगर सीमाओं में नहीं बंधती धरती को बचाना है तो विकास की दिशा बदलनी होगी, समृद्धि को सेवेना से जोड़ना होगा और अर्थव्यवस्था को मानवता के प्रति जवाबदेह बनाना होगा। क्योंकि जिस विकास में प्रकृति सुरक्षित नहीं और मनुष्य समाप्ति नहीं, वह विकास नहीं, विनाश की प्रस्तावना है।

कहानी

चंचल हिरण और बुद्ध खरगोश

एक घने और सुंदर जंगल में एक हरिण और एक खरगोश बहुत अच्छे दोस्त थे। हरिण का नाम चंचल था और खरगोश का नाम बुद्ध था। चंचल अपनी तेज चाल और खूबसूरती के लिए जाना जाता था, जबकि बुद्ध अपनी समझदारी और मरुदाई के लिए। वे दोनों रात सुबह और चंद्र जंगल में घूब घूब खेले, ताजी हरी घास खाते और एक-दूसरे के साथ बहुत खुश रहते थे। एक दिन, जब वे दोनों खेले कर रहे थे, तभी एक शिकारी ने चंचल हरिण को देख लिया। शिकारी ने सोचा कि यह हरिण तो बहुत सुंदर और बड़ा है, इसे पकड़ लेना चाहिए। शिकारी ने पुरुष के से चंचल के रास्ते में एक मजबूत जाल बिछा दिया। चंचल दौड़ते-दौड़ते थकान नहीं पैदाया और सीधे उस शिकारी के जाल में जाकर उलझ गया। वह जिनका बाहर निकलने की कोशिश करता, जाल उतना ही कसता जाता। चंचल बहुत डर गया और घबराहत-मैं जोर-जोर से चिल्लाने लगा। बुद्ध खरगोश ने जब अपने दोस्त की आवाज सुनी, तो वह दौड़ता हुआ वहां पहुंचा। उसने देखा कि उसका पकड़ जाल में फंसा हुआ है। बुद्ध घबराया नहीं, बल्कि उसने तुरंत अपनी अवलमर्द का इस्तेमाल किया। उसने चंचल से कहा, "तुम बिचकतुल मत घबराओ और शांत रहे जाओ। जब तम में मछ कसता नहीं, तुम अपनी आँखें बंद करके मरे होने का नाटक करना।" थोड़ी ही देर में शिकारी नहीं आया। बुद्ध ने झाड़ियों के पीछे छिपकर आवाज निकाली। जैसे ही शिकारी ने जाल के पास आकर चंचल को देखा, उसे लगा कि हरिण मर चुका है। शिकारी ने मुस्कुराते हुए जाल हिला किया और चंचल को निकालने के लिए आगे बढ़ा। ठीक उसी पल, बुद्ध ने जोर से आवाज निकाली और हरिण चंचल ने अपनी आँखें खोलीं और छलांग लगाकर एक झटके में जाल तोड़ दिया। दोनों दोस्त तेज रफ़्तार से भागकर घने जंगल में गायब हो गए। शिकारी देखा कि यह गलत। इस तरह बुद्ध की समझदारी से चंचल की जान बच गई और दोनों पहले से भी ज्यादा पक्के दोस्त बन गए।

उधर धार्मिक नियमों के रखवालों को गुस्सा आ रहा है। उनके अनुसार धर्म पुस्तकों की पंडिता गौण हो गई है क्योंकि लोगों फेस टू फेस न होकर फेस थ्रु फेस विश्वास कर रहे हैं। धर्म और धर्म शास्त्र के प्रति निष्ठा कम करने में एंटी सोशल पंडिताई का सर्वश्रेष्ठ अविस्मरणीय योगदान है हालाँकि वे वहम न करने को कह रही हैं। विदेश में कववा चाये का व्रत रखने वाली महिलाओं के लिए दिलचस्प दुविधा है। वहां क

असमानांतर है। उनका व्रत शुरू करने का समय कुछ और होता है जो भारतीय समय से बिल्कुल अलग होता है। क्या उन्हें व्रत का फल मिलता होगा। वैसे व्रत रखन स्वास्थ्य के लिए हमेशा लाभदायक रहा है। उसमें बाजार के दखल की जरूरत नहीं होती लेकिन बाजार शांति होता है किसी भी अवसर उसव त्यौहार यहां तक कि दुःख के अवसरों को भी नहीं बदलता। बदलाव लाना मुश्किल काम है।



लूथीहार मान लिया जाता है। पतियों ने भी व्रत रखना शुरू कर दिया गया है लेकिन मनेजकण दिखावा और रिसतों में छलतावा बढ़ रहा है। इसलिए लगता नहीं अब इस व्रत से पति की जान बच सकती है। यैवा वैवाहिक संस्था की व्यवस्था परिवर्तन चाहती है। पति की लम्बी आयु के लिए रखा जाने वाला व्रत बदलाव के कई रास्ते तय कर चुका है। कनवा खरीदने बारे सोशल मीडिया पर अफवाहों उग रही हैं जिससे महिलाएं धोखा खा रही हैं।



केजीएमयू में धर्मांतरण का खुलासा

डॉ. अनीस ने 19 युवतियों से किया दुष्कर्म, वीसी के सचिव भी जांच के घेरे में

लखनऊ

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में धर्मांतरण और महिला डॉक्टरों के यौन शोषण की जांच में एसटीएफ ने इस्लामिक मेडिकोज समूह से जुड़े एक डॉक्टर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। दावा है कि डॉ. सैम अनीस ने 19 हिंदू युवतियों से दुष्कर्म करने की बात खुद स्वीकारी थी। यह कबूलनामा उसने पीड़िताओं के सामने किया था। 2006 से 2012 के बीच धर्मांतरण के मामले की गोपनीय जांच जारी है। दोषियों पर जल्द शिकंजा कस सकता है।

एसटीएफ की जांच रिपोर्ट के मुताबिक, सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज (एसएनएमसी), आगरा में इस्लामिक मेडिकल छात्रों का एक समूह था। इस्लामिक मेडिकोज नाम से एक किताब भी प्रकाशित की गई थी, जिसमें 2012 से 2016 बैच तक के मुस्लिम मेडिकल छात्रों का विवरण था। इसमें रबीज, रिजवान मलिक और अदनान अंसारी व सैम अनीस को मित्र बताया गया है। सहारनपुर के रहने वालेक सैम ने खुद



इन पीड़ित महिलाओं से कहा था कि वह 19 हिंदू युवतियों से दुष्कर्म कर चुका है। इसके अलावा कई हिंदू महिलाएं उसके संपर्क में हैं। इस पर तपस्वीश जारी है।

धर्मांतरण करवा किया निकाह कई हिंदू लड़कियों से बनाए संबंध जांच रिपोर्ट के मुताबिक पैथोलॉजी विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर समीउद्दीन नायक ने एक हिंदू जेआर को प्रेम जाल में फंसाया। दबाव बनाकर उसका धर्मांतरण करवा निकाह कर लिया। वह पहले भी निकाह कर चुका था। उसकी प्रताड़ना से धर्मांतरण कर निकाह करने वाली लड़की ने खुदकुशी का प्रयास किया था। यही नहीं जांच में सामने आया कि उसके

कई हिंदू लड़कियों से संबंध हैं। एसटीएफ की रिपोर्ट में केजीएमयू के कुलपति के निजी सिचव एसए अब्बास व पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. अब्बास अली मेहदी का भी जिक्र है। अब्बास केजीएमयू में क्लर्क रह चुके हैं। तीन वर्ष पहले सेवानिवृत्त होने के बाद डॉ. मेहदी की सिफारिश पर उन्हें पीएस नियुक्त किया गया था। डॉ. मेहदी केजीएमयू के मेडिसिन विभाग के एचओडी रह चुके हैं।

रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि डॉ. मेहदी अपने काम अब्बास के माध्यम से कराते थे। जांच समितियों के सदस्यों के नाम भी उनके सुझाव पर कुलपति तक पहुंचाए जाते थे। एसटीएफ का दावा है कि वर्ष 2006 से 2012 के बीच ज्यादातर धर्मांतरण डॉ. मेहदी के कार्यकाल के दौरान हुई थीं। एसटीएफ ने मेडिसिन विभाग के नेफ्रोलॉजिस्ट प्रोफेसर उस्मान कौसर का भी उल्लेख किया है। रिपोर्ट में डॉ. कौसर, मो. कैफ, मो. एहसान, अमान मलिक, शदन शमीन, मो. अयान, मो. जहीर, अमान व शाकिर खान पर कई हिंदू महिला डॉक्टरों से संबंध होने और इस्लामिक विचारधारा से जोड़ने के लिए प्रेरित करने का दावा है।

आईटीआई में सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती मनाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) अलीगढ़ में शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ऑटोडिस्सिप मेले का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल विकास योजना के शुभारंभ का सजीव प्रसारण संस्थान के कर्मचारियों और प्रशिक्षार्थियों को दिखाया गया।

जयंती पर प्रधानाचार्य विजय बहादुर सिंह ने सरदार पटेल के चित्र पर मातृपार्षण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। संस्थान के अन्य कर्मचारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।ऑटोडिस्सिप मेले में आठ कंपनियों ने प्रतिभाग किया। इसमें 80 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 30 प्रशिक्षार्थियों का



विभिन्न व्यवसायों के लिए चयन किया गया। मेले में इंडियन डाई कास्टिंग, वेव डिस्टलरीज, पावना इंडस्ट्रीज और जाइडस इंडस्ट्रीज सहित अन्य कंपनियां शामिल रहीं।इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य

मिथिलेश कुमार, कार्यदेशक हुकूम सिंह, जितेंद्र कुमार, अजय, मधुबाला भास्कर, अरुदेशक जितेंद्र पाठक, रवीना रानी, मोहित शर्मा, अवतार सिंह, अरुण आजाद सहित संस्थान के कर्मचारी उपस्थित रहे।

फिरोजाबाद में यातायात पुलिस का अभियान 153 ओवरस्पीड वाहनों के चालान



602 अन्य वाहनों पर भी कार्रवाई, दो ऑटो-ई-रिक्शा रीज, स्टैंट बाइक और साउंड स्पीकर वाले वाहनों पर भी कसा शिकंजा मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद जनपद में यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए यातायात पुलिस ने शनिवार को विशेष अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगे के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। साथ ही लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।यातायात पुलिस के अनुसार, निधिरित क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर चलाए जा रहे ऑटो और ई-रिक्शा के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए दो वाहनों को सीज किया

गया, जबकि 21 के चालान किए गए। अभियान के दौरान ऑटो और ई-रिक्शा का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को लैंग्वेज कूल 81 चालान किए गए।सड़कों पर वाहनों की गति जांचने के लिए स्पीड मीटर का इस्तेमाल किया गया। निधिरित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाने वाले 153 चालकों के चालान किए गए। इसके अलावा यातायात नियमों के अन्य उल्लंघनों में 602 वाहनों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई।सड़क पर तेज

आवाज में साउंड स्पीकर लगाकर चलने वाले 17 वाहनों के चालान किए गए। वहीं, स्टैंट और तेज रफ्तार बाइक चलाने के मामलों में छह चालान किए गए। अभियान के दौरान 11 ईको वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रति किया जागरूक पुलिस ने बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने वालों को हेलमेट के महत्व के बारे में बताया। हेलमेट बैंक के माध्यम से

भी लोगों को हेलमेट के इस्तेमाल के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही ब्रेथ एनालाइजर से वाहन चालकों की जांच की गई और नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की अपील की गई।यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निधिरित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने और यातायात संकेतों का पालन करने के निर्देश दिए।

रेलवे स्टेशन पर वदीर्धारी दो पुलिसकर्मियों के नशे में होने का मामला चर्चा में

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। रेलवे स्टेशन परिसर में दो पुलिसकर्मियों के तौर पर नशे की हालत में दिखाई देने का मामला चर्चा में है। बताया जा रहा है कि दोनों पुलिसकर्मी वहीं में थे। उनकी स्थिति को लेकर लोगों ने सवाल उठाए हैं।मामले में एक और



सवाल बाइक को लेकर खड़ा हुआ है। आरोप है कि पुलिसकर्मियों की बाइक के आगे और पीछे कहीं भी नंबर प्लेट दिखाई नहीं दे रही थी। यदि ऐसा है तो यह यातायात नियमों के पालन और पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी पर सवाल खड़े करता है।पटना को लेकर पुलिस विभाग की जवाबदेही और निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। अब देखना होगा कि विभाग इस मामले का संज्ञान लेकर संबंधित पुलिसकर्मियों की पहचान, उनकी स्थिति और बिना नंबर प्लेट बाइक चलाने के आरोपों की जांच करता है या नहीं।

यूपी : 2027 के लिए भाजपा का चुनावी ब्लूप्रिंट, इस बार हर बूथ से घर-घर तक मजबूत करेगी पकड़

लखनऊ

प्रदेश कार्यसमिति में गृहमंत्री अमित द्वारा दिए गए चुनावी जीतने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रदेश भाजपा की टीम अब पूरे मनोयोग से मैदान में उतरकर काम करेगी। इसके तहत कार्यकर्ता जहां अब बूथ से लेकर घर-घर तक अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम करेंगे। वहीं, प्रत्येक 50 परिवारों पर एक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। विधानसभा स्तर पर प्रवासी प्रभारी और जिला व विधानसभा चुनाव संचालन समितियां भी गठित होंगी।

इस संबंध में शनिवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में हुई चुनाव से संबंधित कार्ययोजना पर मंथन को लेकर हुई बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने साफ किया कि 2027 का चुनाव माइक्रोमैनेजमेंट के आधार पर लड़ा जाएगा। तावड़े ने जिला प्रभारियों को विधानसभा और विधानसभा प्रभारियों को शक्तिकेंद्रों पर प्रवास करने के निर्देश दिए। महिला और युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भी विधानसभा स्तर पर प्रवासी के रूप में काम करेंगे। प्रदेश भाजपा प्रभारी ने पदाधिकारियों को घर-घर संपर्क अभियान में महिला, युवा, नए मतदाता, किसान, लाभार्थी, छोटे व्यापारी, प्रबुद्ध वर्ग और पूर्व सैनिकों के साथ सामाजिक व धार्मिक संगठनों को जोड़ने फोकस करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही



इसपर आधारित कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि सक्रिय सदस्यों की बैठकें शुरू कर उन्हें चुनावी जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मतदाता सूची सत्यापन और विशेष पुनरीक्षण को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने प्रदेश के सभी 1918 मंडलों में कार्यकर्ताओं की टीमों बनाकर प्रवास करने, ग्रामसभा स्तर पर चौपाल और जनसंवाद आयोजित करने तथा लाभार्थियों से लगातार संपर्क रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने का आधार बूथ और वहां के मतदाता हैं। बैठक में तीन नवंबर से सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ अभियान के तहत पदयात्राएं निकालने का निर्णय लिया

गया। प्रत्येक पदयात्रा में कम से कम 25 हजार लोगों की भागीदारी का लक्ष्य है। पार्टी की कोशिश इन आयोजनों के जरिये चुनावी माहौल बनाने के साथ संगठन और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की है। पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी श्री विनोद तावड़े, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री श्री पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह तथा प्रदेश सह प्रभारी श्रीमती मेधा कुलकर्णी, श्री जगदीश पटेल, श्री अनंत ओझा व डा. प्रदीप वर्मा की उपस्थिति में आयोजित बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष तथा जिला प्रभारी उपस्थित रहे। लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई

पटेल की जयन्ती पर उन्हें पुष्पाचन कर कृतज्ञ नमन करने के पश्चात प्रारम्भ हुई बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री श्री दिलीप पटेल ने किया। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने जिला और विधानसभा चुनाव संचालन समितियों के गठन के साथ पूर्व पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ने को कहा। दीपावली के बाद मतदाता पुनरीक्षण अभियान तेज होना। नए मतदाताओं के फार्म-6 भरवाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। युवा, महिला, व्यापारी, श्रमिक और छोटे कारोबारियों के बीच संपर्क के लिए भी अलग-अलग टीमें बनाई जाएंगी।

आरएमपीएसयू की बास्केटबॉल टीम ने जीत के साथ चैथे राउंड में बनाई जगह

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू), अलीगढ़ की पुरुष बास्केटबॉल टीम ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में लगातार तीन मुकाबले जीतकर चैथे राउंड में प्रवेश कर लिया है। टीम ने शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।महाराजा भूपेंद्र सिंह पंजाब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, पटियाला में आयोजित प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में आरएमपीएसयू ने एसआरएम विश्वविद्यालय, हरियाणा को 48-32 अंकों से हराया। दूसरे मुकाबले में चैधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय को कड़े संघर्ष में 53-51 अंकों से पराजित किया। तीसरे मुकाबले में एचआरआईटी विश्वविद्यालय, गाजियाबाद को हराकर टीम ने चैथे राउंड में अपनी जगह पक्की की।इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र बहादुर सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों



में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। कुलसचिव प्रबुद्ध सिंह एवं क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. केडी वर्मा ने भी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और टीम प्रबंधन को शुभकामनाएं दीं।विश्वविद्यालय परिवार ने उम्मीद जताई कि टीम आगामी मुकाबलों में भी जीत का सिलसिला जारी रखेगी।

एमयू छात्रसंघ चुनाव में शरजील इमाम के समर्थन पर विवाद, करणी सेना ने जताया विरोध



मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एमयू) में छात्रसंघ चुनाव के दौरान शरजील इमाम के समर्थन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में क्षत्रिय करणी सेना के युवा जिला अध्यक्ष सचिन राघव ने विरोध जताते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री को ज्ञापन भेजा है।क्लेक्ट्रेट में एसोएम के माध्यम से सौंप गए ज्ञापन में छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी नौमान अशरफ का

नामांकन निरस्त करने की मांग की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि चुनावी सभा के दौरान नौमान अशरफ ने शरजील इमाम का समर्थन किया था। सचिन राघव ने इस कथित बयान पर आपत्ति जताते हुए मामले को गंभीर बताते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की।ज्ञापन में विश्वविद्यालय में भविष्य में विवाद और अव्यवस्था की अनुशंका भी जताई गई है। करणी सेना ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

रैली और संगोष्ठियों के जरिए महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, बाल विवाह और नशे के दुष्परिणामों की दी जानकारी, हेल्पलाइन नंबरों के प्रति भी किया जागरूक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश शासन की ओर से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति फेज-06 के तहत शनिवार को जनपदभर में जागरूकता अभियान चलाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगे के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं ग्रामीण के नेतृत्व में समस्त क्षेत्राधिकारियों, थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में रैली, संगोष्ठी और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं, शिक्षिकाओं, महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तर, गांवों और विभिन्न शिक्षण संस्थानों में मिशन शक्ति पुलिस टीमों ने महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम, महिला सुरक्षा, समानता और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। साथ ही साइबर हिंसा एवं साइबर अपराधों से बचाव, नशे के दुष्परिणामों,



पारिवारिक विवादों और विधटन से जुड़े मामलों, बाल विवाह तथा अन्य सामाजिक कुुरीतियों पर चर्चा की गई।पुलिस टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी आपात स्थिति में सहायता प्राप्त करने के लिए महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर *1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, आपातकालीन सेवा 112 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930* की जानकारी दी। इसके अलावा सरकार की जनकल्याणकारी

योजनाओं के बारे में भी बताया गया।एसएसपी आदित्य लांगे के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना, उनमें सुरक्षा का विश्वास बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना है। पुलिस ने लोगों से महिला सुरक्षा से संबंधित मामलों में जागरूक रहने और जरूरत पड़ने पर तत्काल पुलिस की सहायता लेने की अपील की।

राष्ट्रीय एकता दिवस: सरदार पटेल की 151वीं जयंती पर पुलिस लाइन सभागार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर पुलिस लाइन स्थित ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल, पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा, मुख्य विकास अधिकारी पीएन दीक्षित सहित उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। शपथ के दौरान सभी ने संकल्प लिया कि वे राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करेंगे तथा देशवासियों के बीच एकता का संदेश फैलाने का भरसक प्रयास करेंगे। साथ ही देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपना योगदान देने का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण प्रदर्शित किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री जी के उद्घोषन को देखा एवं सुना। इस अवसर पर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल ने कहा कि कोई भी राष्ट्र आर्थिक रूप से तभी विकसित हो सकता है, जब वह एकता के सूत्र में बंधा हो। आज भारत जिस एकूत स्वरूप में दिखाई दे रहा है, उसके निर्माण और राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ करने में सरदार वल्लभभाई पटेल का अतुलनीय



योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान भी ऐसी बंधुता और आपसी सद्भाव की भावना पर बल देता है, जो राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को अधुण बनाए रखे। राष्ट्रीय एकता का आर्थिक विकास से भी महत्वपूर्ण संबंध है। जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 12 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र की नई योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य छोटे एवं सूक्ष्म उद्योगों को एक ही परिसर में आवश्यक आधारभूत सुविधाएं, प्रशिक्षित मानव संसाधन, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, कच्चे माल की उपलब्धता, प्रसंस्करण, ग्रेडिंग, मार्केटिंग एवं विपणन संबंधी सुविधाएं उपलब्ध

करना है। लगभग 10 से 25 एकड़ भूमि में विकसित होने वाले ऐसे केंद्र में प्राथमिक उत्पादक से लेकर तैयार उत्पाद के विपणन तक की पूरी प्रक्रिया को एक ही स्थान पर सुविधाजनक बनाया जाएगा। इससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्यमों को विशेष लाभ मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, उपायुक्त उद्योग, लीड बैंक मैनेजर, उद्योग बंधु के सदस्य, व्यापारी वर्ग, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जनपद में औद्योगिक विकास को गति देने एवं उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से पुलिस लाइन स्थित ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति एवं व्यापार मंडल समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में औद्योगिक निवेश, उद्यमियों की समस्याओं एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्योग बंधु समिति केवल एक औपचारिक मंच नहीं, बल्कि उद्यमियों और प्रशासन के बीच प्रभावी संवाद एवं समस्याओं के समाधान का सशक्त माध्यम है। सभी विभागीय अधिकारी उद्यमियों के प्रति सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। निवेश संबंधी प्रकरणों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा।

उद्यमियों द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्रों पर तत्काल कार्यावाही करते हुए निर्धारित समयसीमा में निस्तारण तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। शासन की विभिन्न औद्योगिक योजनाओं के अंतर्गत उद्यमियों को उपलब्ध कराए जाने वाले अनुदान एवं ऋण का लाभ समय से मिलना चाहिए। बैठक में कार्यालय



जिला उद्योग केंद्र हेतु वाटर वर्क्स में 3000 वर्ग मीटर भूमि आवंटन, मंडी पोर्टल पर दाल प्रसंस्करण इकाइयों के विरुद्ध प्रदर्शित कथित अवैध कर देयता को शून्य घोषित किए जाने, ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना, अलीगढ़ रोड स्थित नाले की सफाई तथा मिनी औद्योगिक क्षेत्र सलेमपुर के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन को शिफ्ट किए जाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त उद्योग द्वारा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार

योजना, एक जनपद एक उत्पाद वित्तपोषण योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि पुलिस प्रशासन उनकी सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदैव तत्पर है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी पीएन दीक्षित, जिला विकास अधिकारी पीएन यादव, अपर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाहा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छोटी खबरें

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। शनिवार को पुलिस कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में एक सादे समारोह में पुलिस विभाग के सेवानिवृत्त होने वाले तीन पुलिसकर्मियों को भावभीनी विदाई दी गई। अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वाले पुलिसकर्मियों उपनिरीक्षक नामगिर पुलिस ओमकार प्रसाद, मु0आ0 सा0पु0 राकेश कुमार तथा लीडिंग फायरमैन श्री हरिवंश ने पुलिस विभाग में कुशलतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपनी सेवा देने के पश्चात सेवानिवृत्ति प्राप्त की। क्षेत्राधिकारी लाइन द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों से उनके पुलिस विभाग में दी गई सेवाओं के अनुभवों को साझा करते हुए उनके आगामी जीवन को सुख-शांति से व्यतीत किए जाने की कामना की गई। क्षेत्राधिकारी नगर हिमांशु माथुर ने सेवानिवृत्त होने जा रहे सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन का अमूल्य समय पुलिस विभाग को दिया, जिसके लिए वे अपने परिवार से भी दूर रहे, परंतु अब सेवानिवृत्ति के बाद सभी अपने को नए कलेवर में ढालेंगे।



त्यौहारों के दृष्टिगत आबकारी विभाग का प्रवर्तन अभियान, कई दुकानों की सघन चेकिंग



मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार तथा जिलाधिकारी हाथरस के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत शिखरा, गुट्टरा नौगांव, नयाबाग आदि क्षेत्रों में स्थित विभिन्न देशी एवं कंपोजिट दुकानों की सघन चेकिंग की गई। साथ ही आबकारी दुकान कैंटीन को साफ-सफाई रखने तथा भीड़ का अनावश्यक जमावड़ा न लगने देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्रवाई के दौरान आबकारी निरीक्षक सादाबाद मय आबकारी स्टॉफ उपस्थित रहे।

डीएम ने व्यापारियों से ब्याज माफी योजना-2026 का लाभ उठाने की अपील की

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। ब्याज माफी योजना-2026 के संबंध में व्यापारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ पुलिस लाइन सभागार में बैठक हुई जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल ने योजना के विभिन्न प्रावधानों एवं लाभों पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यापारियों से शासन द्वारा संचालित ब्याज माफी योजना-2026 का लाभ उठाने के लिए आगे आने तथा निर्धारित शर्तों के अनुसार अपने बकाया कर का निस्तारण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह योजना व्यापारियों को बकाया कर संबंधी देनदारियों से राहत प्रदान करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इसलिए व्यापारी योजना के प्रावधानों की जानकारी प्राप्त कर निर्धारित अवधि में आवेदन एवं आवश्यक कार्यावाही पूर्ण करें। बैठक में उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर प्रहलभ कुमार गुप्ता ने योजना के प्रमुख बिंदुओं एवं प्रावधानों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना दिनांक 31 दिसंबर,



2025 तक के बकायों पर लागू होगी। योजना के अंतर्गत बकाया मूलधन की पूर्ण धरणाश्रित जमा करने पर निर्धारित श्रेणियों के अनुसार ब्याज एवं अर्धदंड में छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि 10 लाख रुपये तक के मूल बकाया पर 100 प्रतिशत ब्याज एवं अर्धदंड की माफी, 10 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये तक के बकाया पर 10

प्रतिशत ब्याज माफी एवं 90 प्रतिशत अर्धदंड माफी, एक करोड़ रुपये से पांच करोड़ रुपये तक के बकाया पर 25 प्रतिशत ब्याज माफी एवं 75 प्रतिशत अर्धदंड माफी तथा पांच करोड़ रुपये से अधिक के बकाया पर 50 प्रतिशत ब्याज एवं 50 प्रतिशत अर्धदंड माफी का प्रावधान किया गया है। योजना का लाभ प्राप्त करने के

लिए संबंधित श्रेणी के अनुसार बकाया मूलधन की शत-प्रतिशत धरणाश्रित जमा करना अनिवार्य होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना शासनादेश जारी होने की तिथि से तीन माह तक प्रभावी रहेगी। आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री जी के अनुमोदन से इसकी अवधि बढ़ाई जा सकती है। यह योजना उत्तर प्रदेश में एक साथ लागू होगी तथा इसके अंतर्गत राज्य कर विभाग के विभिन्न अधिनियमों के तहत लंबित बकाया, ब्याज एवं अर्धदंड से संबंधित प्रकरणों को सम्मिलित किया गया है। बैठक में पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा, मुख्य विकास अधिकारी पी एन दीक्षित, जिला विकास अधिकारी पी एन यादव, अपर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाहा, उप जिलाधिकारी सरदर, क्षेत्राधिकारी पुलिस, सहायकआयुक्त राज्य कर हरिनाथ यादव, सचिन कुमार, राज्य कर अधिकारी नीरज कुमार, आशीष यादव, सुरेन्द्र कुमार वर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं व्यापारिक संगठनों की ओर से सुरेश चन्द्र अग्रवाल, देवेन्द्र मोहता, नितिन अग्रवाल, बांके बिहारी, प्रदीप बंसल, शरद अग्रवाल सहित अन्य व्यापारी प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

होटल मोनार्क के पास बिजली के टावर पर चढ़ा युवक, इलाके में मचा हड़कंप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना उत्तर क्षेत्र में होटल मोनार्क के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक बिजली के टावर पर चढ़ गया। युवक को टावर पर चढ़ा देख मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्र में हलचल बढ़ गई। लोग युवक को टावर पर चढ़ा देखकर चिंतित नजर आए। युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास किए जा रहे हैं।फिलहाल युवक के टावर पर चढ़ने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित विभाग के अधिकारियों के मौके पर पहुंचने तथा युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयासों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। घटना को लेकर क्षेत्र में लोगों के बीच चर्चा बनी हुई है।

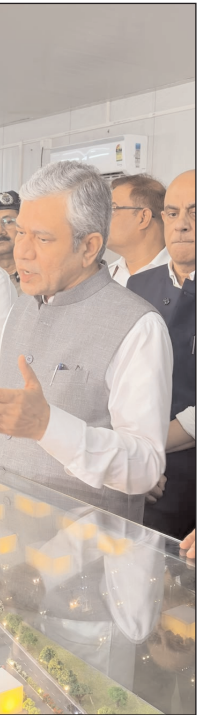


"बहुत जल्द उत्तर प्रदेश में बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर आने वाला है : अश्विनी वैष्णव"

वाराणसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज काशी रेलवे स्टेशन एवं नमो गंगा रेल सह सड़क ब्रिज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन के पुनर्विकास एवं आधुनिकीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा निमाणांधीन नए स्टेशन भवन, कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म एवं अन्य यात्री सुविधाओं के विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि "प्रधानमंत्री ने उत्तरी बुलेट कॉरिडोर को संजूरी दे दी है। उत्तर प्रदेश में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर जल्द आने वाला है। ये बुलेट ट्रेन कॉरिडोर दिल्ली से गुवाहाटी तक तैयार होगा। यह उत्तरी कॉरिडोर के आने से दिल्ली और आगरा को बीच की दूरी मजबूत 59 मिनट की रह जाएगी,दिल्ली से कानपुर के बीच की दूरी 1 घंटा 59 मिनट होगी,दिल्ली से लखनऊ की बीच की दूरी 2 घंटे 12 मिनट होगी,काशी से लखनऊ के बीच की दूरी 1 घंटे 21 मिनट होगी और काशी से पटना 1 घंटे में पहुंचा जा सकेगा,काशी से अगर दिल्ली की बात करें तो 3 घंटे 35 मिनट में पहुंचा जा सकेगा,वाराणसी से आगरा की अगर बात करें तो 2 घंटे 24 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। बुलेट ट्रेन अमौरो के लिए नहीं बल्कि गरीब और मध्यम परिवार के लोगों के लिए भी है।विपक्ष भ्रम फैला रहा है कि कारिया बहुत होगा किराया की कहां तक बात है फ्लाइट से भी कम होगी।" उन्होंने बताया कि काशी रेलवे स्टेशन को आधुनिक, विश्वस्तरीय एवं यात्री अनुकूल स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की स्वीकृत अनुमानित लागत 349.50 करोड़ रुपये है, जबकि 304.61 करोड़ रुपये की लागत से कार्य आवंटित किया गया है। कार्य आवंटन की तिथि 16 अगस्त, 2023 है। इस परियोजना का निष्पादन उत्तर रेलवे के निर्माण संगठन की संबंधित इकाई द्वारा किया जा रहा है। पुनर्विकास योजना के अंतर्गत स्टेशन के उत्तर एवं दक्षिण दिशा में दो आधुनिक स्टेशन भवनों का निर्माण किया जा रहा है। दोनों भवन जी+2 (ग्राउंड प्लस दो मंजिल) संरचना के होंगे तथा प्रत्येक भवन का क्षेत्रफल लगभग 10,358 वर्ग मीटर होगा। इसके अतिरिक्त लगभग 10,622 वर्ग मीटर क्षेत्र में विशाल कॉनकोर्स का निर्माण किया जा रहा है। यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए 9 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज, नए प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म शेड एवं कवरिज, पैदल यात्रियों के लिए कवर्ड पाथवे तथा कॉनकोर्स के ऊपर रूफिंग सहित अन्य विकास कार्य भी परियोजना का हिस्सा है।

स्टेशन के पुनर्विकास के पश्चात इसकी परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। वर्तमान में स्टेशन पर 4 रेलवे ट्रेक उपलब्ध हैं, जिन्हें बढ़ाकर 10 किया जाएगा। इसी प्रकार प्लेटफॉर्म की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की जाएगी तथा प्रत्येक प्लेटफॉर्म की लंबाई 600 मीटर



होगी। वर्तमान में स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग 1,954 यात्रियों की तुलना में पुनर्विकास के बाद यह क्षमता बढ़कर 13,261 यात्री प्रतिदिन हो जाएगी। वहीं ट्रेनों की संख्या वर्तमान 16 जोड़ी से बढ़कर 36 जोड़ी तक हो सकेगी। यात्रियों की सुविधा एवं सुगम आवागमन के लिए स्टेशन पर 30 लिफ्ट एवं 23 एस्केलेटर की व्यवस्था की जाएगी। फुट ओवर ब्रिज की चौड़ाई वर्तमान 6 मीटर से बढ़ाकर 9 मीटर की जाएगी तथा सीढ़ियों की संख्या 3 से बढ़ाकर 26 की जाएगी। इससे यात्रियों को एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक पहुंचने तथा स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में आवागमन करने में सुविधा होगी। प्रतीक्षालय एवं बैठने की व्यवस्था को भी व्यापक रूप से विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत उत्तर एवं दक्षिण स्टेशन भवनों में लगभग 2,300-2,300 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के प्रतीक्षालय विकसित किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक में लगभग 650 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी। इसके अतिरिक्त लगभग 5,114 वर्ग मीटर के कॉनकोर्स क्षेत्र में लगभग 1,800 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी।

इस प्रकार कुल लगभग 9,714 वर्ग मीटर क्षेत्र में करीब 3,100 यात्रियों के बैठने की सुविधा उपलब्ध होगी। स्टेशन परिसर में पार्किंग व्यवस्था की भी विस्तार किया जा रहा है। वर्तमान में उपलब्ध 115 ईसीएस (इंक्विजिट कार स्पेस) की तुलना में पुनर्विकास के अंतर्गत लगभग 10,175 वर्ग मीटर क्षेत्र में 440 ईसीएस की पार्किंग सुविधा विकसित की जाएगी। भविष्य

में इस क्षमता को 800 ईसीएस तक विस्तारित करने की योजना भी प्रस्तावित है। स्टेशन परिसर में लगभग 66,758 वर्ग मीटर क्षेत्र में बाहरी विकास कार्य, लगभग 2,021 वर्ग मीटर क्षेत्र में पैदल यात्रियों के लिए कवर्ड पाथवे तथा लगभग 10,622 वर्ग मीटर क्षेत्र में कॉनकोर्स के ऊपर रूफिंग का कार्य भी प्रस्तावित है। इन कार्यों से स्टेशन परिसर का समग्र विकास होगा तथा यात्रियों को मौसम के अनुकूल सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। काशी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास वाराणसी की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। परियोजना पूर्ण होने के बाद स्टेशन की यात्री क्षमता, रेल परिचालन एवं आवागमन व्यवस्था में व्यापक सुधार होगा। आधुनिक स्टेशन भवन, विशाल कॉनकोर्स, विस्तृत प्लेटफॉर्म, लिफ्ट, एस्केलेटर, बेहतर प्रतीक्षालय एवं पार्किंग जैसी सुविधाएं यात्रियों को अधिक सुविधाजनक एवं बेहतर रेल यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने आज वाराणसी में गंगा नदी पर निमाणांधीन नमो गंगा रेल-सह-सड़क पुल (नमो ब्रिज) के निर्माण कार्यस्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों, तकनीकी व्यवस्थाओं एवं कार्य की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। यह महत्वपूर्ण रेल-सह-सड़क पुल उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अंतर्गत निर्मित किया जा रहा है। लखनऊ में 1,074.6 मीटर लंबाई वाले इस पुल की स्वीकृत अनुमानित लागत 21,380.87 करोड़ है, जबकि निर्माण कार्य हेतु 21,201.37 करोड़ की लागत से अनुबंध आवंटित किया गया है। इस परियोजना में कुल 10 स्पैन का निर्माण किया जाना है, जिसमें 108.5 मीटर के 8 स्पैन तथा 103.3 मीटर के 2 स्पैन शामिल हैं। पुल की आधारभूत संरचना में 9 पियर एवं 2 प्लटफॉर्म सहित कुल 11 सब-स्ट्रक्चर बनाए जा रहे हैं। इसके लिए 60 मीटर तक की गहराई वाले डबल-डी वेल का निर्माण भी प्रस्तावित है। इस पुल की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें दो स्तरों पर रेल एवं सड़क यातायात की व्यवस्था की गई है। पुल के निचले तल पर रेल परिचालन के लिए कुल चार रेल लाइनें (दो अप एवं दो डाउन लाइनें) विकसित की जा रही हैं, जिन पर 225 केवी ओवरहेड इलेक्ट्रिक उपकरण (ओएचई) स्थानां स्थापित की जाएगी। वहीं, ऊपरी तल पर छह लेन के राष्ट्रीय राजमार्ग के अनुरूप सड़क मार्ग विकसित किया जा रहा है, जिसमें विद्युत व्यवस्था, क्रैश बैरियर एवं अन्य आवश्यक सड़क सुरक्षा सुविधाएं शामिल होंगी। इस अवसर पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारीमण उपस्थित रहे और उन्होंने रेल मंत्री जी को स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों की प्रगति एवं प्रस्तावित यात्री सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

शातिर चोरों का अनोखा खेल ! गोदाम का ताला तोड़ा, फिर खुद का ताला लगाकर करते रहे चोरी

मदिया कटार के गोयल एंड कंपनी गोदाम में कई बार की वारदात, पांच गिरफ्तार, 18 एसी और वाशिंग मशीन बरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। शहर में चोरी की एक ऐसी वारदात का खुलासा हुआ है, जिस सुनकर पुलिस भी आरोपियों के शातिराना तरीके को समझने में जुट गई। चोरों ने पहले गोदाम के पीछे लगे शटर का ताला तोड़ा और फिर उसी जगह अपना ताला लगा दिया। बाहर से ताला लगा देखकर किसी को चोरी का शक न हो, इसलिए वे इसी तरीके से अलग-अलग तरीखों में गोदाम का सामान पार करते रहे। मामला मदिया कटार स्थित गोयल एंड कंपनी के इलेक्ट्रॉनिक्स गोदाम का है। थाना हरीपर्वत पुलिस ने इस वारदात में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का बड़ा माल बरामद किया है।

चोरी का ऐसा तरीका, गोदाम मालिक को भी नहीं लगी भयंक! आरोपियों ने गोदाम को निशाना बनाने के लिए बाकायदा ताला अपनाया। पीछे के शटर का ताला



तोड़कर अपना ताला लगा दिया, ताकि बाहर से गोदाम सुरक्षित दिखाई दे। इसके बाद अलग-अलग तरीखों में एसी और वाशिंग मशीन चोरी करते रहे। गोदाम मालिक को जब लगातार सामान कम होने का शक हुआ तो जांच कराई गई। पीछे के शटर पर बदला हुआ ताला देखकर चोरी की पूरी कहानी सामने आई।

चोरी का माल लेकर मथुरा भागने की थी तैयारी 29 अक्टूबर को शिकायत मिलने के बाद हरीपर्वत पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू

की। मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। 30/31 अक्टूबर की रात सेक्टर-6 में कबाड़ी की दुकान के पास तिराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक लोडर को रोक। तलाशी में उसमें एसी और वाशिंग मशीन मिली। पूछताछ में लोडर सवार पांचों लोगों ने सामान चोरी का होना स्वीकार किया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी चोरी का माल मथुरा में बेचने के लिए ले जा रहे थे।

घरों में छिपाया था चोरी का सामान

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चोरी करने के बाद सामान अपने-अपने घरों में छिपाकर रखते थे। पर्याप्त सामान इकट्ठा होने पर उसे लोडर में भरकर टिकाने लगाने निकले थे। लेकिन मथुरा पहुंचने से पहले ही पुलिस ने उनकी योजना पर पानी पेर दिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नौ आउटडोर और नौ इनडोर एसी यूनिट, एक वाशिंग मशीन, वारदात में इस्तेमाल लोडर, चार मोबाइल फोन और 2,440 रुपये बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास कुमार उर्फ राजा, अश्वील कुंशी, अभिषेक यादव, अरूब उस्मानी और पंकज शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस सभी आरोपियों के अपराधिक रिकॉर्ड और चोरी की अन्य वारदातों में संभावित संलिप्तता की जांच कर रही है। थाना हरीपर्वत पुलिस की इस कार्रवाई ने गोदामों की सुरक्षा और चोरी के शातिर तरीकों पर सवाल खड़े किए हैं। ताला तोड़कर उसी जगह दूसरा ताला लगाने की चाल से आरोपी कई बार चोरी करते रहे। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर की सूचना और वाहन चेकिंग ने पूरे खेल का पर्दाफाश कर दिया।



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। आगरा कैट क्षेत्र में ज्वेलर्स शोरूम को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवर चोरी करने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि नकाब पहनकर पहुंची एक शातिर महिला ने दुकान में मौजूद लोगों को चकमा देकर करीब 15 लाख रुपये की ज्वेलरी पार कर दी और मौके से फरार हो गई। वारदात थाना सदर क्षेत्र के सुल्तानपुरा स्थित सचिन ज्वेलर्स की बताई जा रही है। महिला शोरूम पर पहुंची और शातिर अंदाज में जेवर देखने लगी। इसी दौरान उसने कथित तौर पर मौके का फायदा उठाकर लाखों

रुपये के जेवर पार कर दिए। कुछ ही मिनटों में वारदात को अंजाम देकर महिला वहां से फरार हो गई। जेवर गायब होने की जानकारी होने पर शोरूम में हड़कंप मच गया। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में महिला की गतिविधियां कैद हो गई हैं।

फुटेज के आधार पर पुलिस महिला की पहचान और तलाश में जुट गई है। लाखों रुपये की ज्वेलरी चोरी की घटना से इलाके के व्यापारियों में भी चिंता बढ़ गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के साथ अन्य सुरागों के आधार पर फरार महिला तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

दीपावली से पहले पुलिस को हाई अलर्ट, अवैध पटाखा भंडारण पर कड़ी नजर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। दीपावली और आगामी पर्व-त्योहारों को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट आगरा ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी थाना प्रभारियों और अधिकारियों को सतर्क कर दिया है। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल ने शनिवार को मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित कर अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था, लॉबित विवेचनाओं और जनशिकायतों के समयबद्ध निस्तारण की समीक्षा की। गोष्ठी में पुलिस उपायुक्तों, अपर पुलिस उपायुक्तों, सहायक पुलिस आयुक्तों और थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि दीपावली के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अवैध पटाखा भंडारण पर रहेगी पैनी नजर

पुलिस अधिकारियों को लाइसेंसी ग्रीन पटाखा भंडारण केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए। अवैध पटाखों के भंडारण पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। पटाखा दुकानों पर अग्निशमन उपकरण, पानी और बालू की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कराने के साथ जरूरत पड़ने पर फायर विभाग से समन्वय कर फायर टेंडर की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त बढ़ाने तथा दिन और रात में प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने को कहा गया। पुलिस अधिकारियों को व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों से संवाद बढ़ाकर क्षेत्र में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

स्कूल-कॉलेजों के आसपास नशे के



खिलाफ अभियान

स्कूलों और कॉलेजों के आसपास मादक पदार्थों की बिक्री और नशे से जुड़ी गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलिस को मादक पदार्थों के अवैध उत्पादन की निर्यात निगरानी करने को कहा गया है। आगामी प्रतिवोगी परीक्षाओं के मद्देनजर परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, यातायात और कानून-व्यवस्था की विशेष व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। अपर पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि हर छोटी-बड़ी घटना का तत्काल संज्ञान लेकर उसका यथोचित निराकरण किया जाए। भूमि विवादों की सूचनाओं को बीट पुलिस के माध्यम से यक्ष ऐप पर अपडेट करने

और अपराधियों का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। लॉबित विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण करने, आरोप पत्र और अंतिम रिपोर्ट समय से न्यायालय भेजने तथा ई-समन ऐप के माध्यम से न्यायालयीय समन और नोटिस की समयबद्ध तामील सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

साइबर अपराधों के खिलाफ चलेगा

जागरूकता अभियान

ऑनलाइन दगी, स्टॉकिंग, ब्लैकमेलिंग, फेक आईडी, साइबर बुलिंग और डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर लगातार जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और युवाओं को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार और साइबर शिकायत के माध्यमों की जानकारी देने को कहा गया। थानों पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की शिकायत को गंभीरता से लेने और आवश्यकता होने पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। जीरो एफआईआर के मामले में भी बिना देशी पंजीकरण कर कार्रवाई करने को कहा गया। अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के साथ सम्मानजनक एवं शिष्ट व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

महिला सुरक्षा पर विशेष फोकस

महिला हेल्पलाइन 1090, 181 और 112 के माध्यम से पीड़िताओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने तथा एंटी रोमियो टीमों को स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। मिशन शक्ति केंद्रों के प्रभावी संचालन और मिशन शक्ति 6.0 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया गया। पूर्व में जेल जा चुके और रिहा हुए अपराधियों की नियमित निगरानी करने को कहा गया है। हिस्ट्रीशीटरों की दिन-रात निगरानी के साथ निरोधात्मक कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए गए। चोरी, लूट, डकैती, हत्या, नकबजनी, दुष्कर्म और अन्य गंभीर अपराधों में प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दते हुए कहा गया कि अपराधियों के खिलाफ कठोर कदम उठाकर आमजन में सुरक्षा और पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत किया जाए। जुआ, सट्टा, मादक पदार्थ, अवैध हथियार और अवैध शराब के मामलों में तत्काल वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सोशल मीडिया सेल को भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्ट पर सतर्क नजर रखते हुए त्वरित कार्रवाई करने के लिए कहा गया। बैठक में सख्त दुर्घटनाओं में कमी लाने और जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट के लक्ष्य को लेकर भी विशेष अभियान चलाने, ब्लैक नॉट्स पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने तथा आईजीआरएएस और जनसुनवाई से जुड़ी शिकायतों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

महिला आयोग की अध्यक्ष ने खंदौली में महिलाओं से किया संवाद, सीएचसी का किया औचक निरीक्षण



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान ने शनिवार को खंदौली स्थित सीवी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित शक्ति संवाद कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, आत्मनिर्भर बनने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अधिकारों पर जोर दिया गया। अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। शिक्षा और आत्मनिर्भरता के माध्यम से ही महिलाएं समाज में अपनी मजबूत पहचान बना सकती हैं। उन्होंने बालिकाओं को भी शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर आवाज उठाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और

आशा बहुओं के सहयोग से गर्भवती महिलाओं को गोदभराई की रस्म पूरी कराई गई। वहीं छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। महिला कल्याण विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस दौरान महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के रूप में मौजूद रही। खंड विकास अधिकारी विजय अग्रवाल और सहायक विकास अधिकारी सुभाष कुमार झा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं उपस्थित रही।

सीएचसी पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत परखी शक्ति संवाद कार्यक्रम के बाद राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खंदौली का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, मरीजों के उपचार, दवाइयों की उपलब्धता और जांच सुविधाओं की जानकारी ली। अस्पताल में उपचार कराने आए मरीजों और उनके परिवारों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में फीडबैक भी लिया। अध्यक्ष ने चिकित्सकों से मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और शासन की स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यह भी पूछा कि मरीजों को आवश्यक दवाइयां और जांच की सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं या नहीं।

खंदौली थाने में बाड़ी स्क्रीन पर देखा गया प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन

राष्ट्रीय एकता दिवस पर पुलिसकर्मियों, समाजसेवियों और बच्चों ने एक साथ सुना प्रधानमंत्री का संदेश



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर खंदौली थाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुजरात के एकता नगर स्थित परेड ग्राउंड से प्रधानमंत्री के संबोधन का थाने में बड़ी टीवी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी सहित थाने के समस्त पुलिसकर्मी, क्षेत्र के समाजसेवी और बच्चे एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री का संबोधन सुनते नजर आए। सभी ने लाइव कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व पर जोर दिया गया। उपस्थित लोगों ने देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाए रखने का संदेश सुना। खंदौली थाने में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों के साथ स्थानीय समाजसेवियों और बच्चों की सहभागिता भी देखने को मिली। सभी ने एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन सुना और राष्ट्रीय एकता दिवस के कार्यक्रम का हिस्सा बने।

मिनटों में लाखों की ज्वेलरी लेकर फरार, नकाबपोश महिला ने ज्वेलर्स शोरूम से पार किए 15 लाख के जेवर



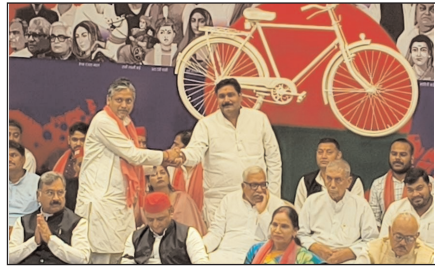
मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। आगरा कैट क्षेत्र में ज्वेलर्स शोरूम को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवर चोरी करने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि नकाब पहनकर पहुंची एक शातिर महिला ने दुकान में मौजूद लोगों को चकमा देकर करीब 15 लाख रुपये की ज्वेलरी पार कर दी और मौके से फरार हो गई। वारदात थाना सदर क्षेत्र के सुल्तानपुरा स्थित सचिन ज्वेलर्स की बताई जा रही है। महिला शोरूम पर पहुंची और शातिर अंदाज में जेवर देखने लगी। इसी दौरान उसने कथित तौर पर मौके का फायदा उठाकर लाखों

रुपये के जेवर पार कर दिए। कुछ ही मिनटों में वारदात को अंजाम देकर महिला वहां से फरार हो गई। जेवर गायब होने की जानकारी होने पर शोरूम में हड़कंप मच गया। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में महिला की गतिविधियां कैद हो गई हैं।

फुटेज के आधार पर पुलिस महिला की पहचान और तलाश में जुट गई है। लाखों रुपये की ज्वेलरी चोरी की घटना से इलाके के व्यापारियों में भी चिंता बढ़ गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के साथ अन्य सुरागों के आधार पर फरार महिला तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

एमएलसी चुनाव में फतेहाबाद विधानसभा की जिम्मेदारी निभाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के समक्ष की गई सराहना



मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेश कुमार शर्मा ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अखिलेश यादव ने आत्मीयता दिखाते हुए राजेश कुमार शर्मा को अपने साथ मंच पर स्थान देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित आगरा शिक्षक खंड एमएलसी डॉ. आकाश अग्रवाल से भी उनकी मुलाकात हुई। डॉ. अग्रवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को एमएलसी चुनाव के दौरान फतेहाबाद विधानसभा में राजेश कुमार शर्मा की भूमिका और संगठन के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी। एमएलसी चुनाव के दौरान पार्टी नेतृत्व ने राजेश कुमार शर्मा को फतेहाबाद विधानसभा का प्रभारी घोषित किया था। चुनाव में उनकी जिम्मेदारी, संगठनात्मक सक्रियता और पार्टी प्रत्यक्षी के समर्थन में किए गए प्रयासों की सराहना की गई। इस दौरान अखिलेश यादव ने भी उनके प्रति स्नेह और सम्मान व्यक्त किया। राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि समाजवादी विचारधारा के प्रति समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा ही कार्यकर्ताओं की असली पहचान है। पार्टी नेतृत्व की ओर से मिलने वाली प्रत्येक जिम्मेदारी को सकारात्मक सोच के साथ निभाना चाहिए। नकारात्मकता को शालीनता से नकारते हुए संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करना चाहिए। इस मौके पर अनुज प्रताप यादव, पिंकी त्यागी, अमन शंकर, आशीष शर्मा, अमर गोस्वामी सहित अन्य साथी मौजूद रहे।

त्योहार पर लूट-छिनैती रोकने के लिए डीसीपी ने कसी पुलिस की कमर

दीपावली पर सुरक्षा को लेकर सड़कों पर उतरे डीसीपी, बाजारों में किया पैदल गश्त, बमरोली कटारा में सराफा दुकानों का लिया जायजा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। दीपावली पर्व पर शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। शनिवार को पुलिस उपायुक्त पूर्वी जॉन अभिषेक अग्रवाल पुलिस बल के साथ बमरोली कटारा कस्बे में पैदल गश्त पर निकले। उन्होंने प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर त्योहार को आपसी सौहार्द और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की।

सराफा कारोबारियों को सुरक्षा का भरोसा

पैदल गश्त के दौरान डीसीपी ने बमरोली कटारा चौराहे पर स्थित ओम ज्वेलर्स और वर्मा ज्वेलर्स का भी निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों दुकानों के संचालकों से बातचीत कर कहा कि दीपावली के दौरान किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता की आवश्यकता होने पर तत्काल थाने से संपर्क करें। उन्होंने व्यापारियों से दुकानों और आसपास अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाने की अपील की, ताकि किसी भी अप्रत्याशित घटना की स्थिति में फुटेज के माध्यम से आरोपितों तक पहुंचने में मदद मिल सके। डीसीपी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को गमला सबला चौराहे तथा बमरोली कटारा चौराहे पर नियमित पैदल गश्त करने के निर्देश दिए। नवामील चौराहे और बमरोली कटारा चौराहे पर प्रभावी पुलिस पिकेट लगाने को कहा, जिससे छिन्ती और लूट जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। सदियथ व्यक्तियों और गतिविधियों पर नजर रखने के साथ नियमित चेकिंग करने के निर्देश भी दिए।



पटाखा दुकानों का किया निरीक्षण, सुरक्षा मानकों की दी जानकारी

गायत्री गोपाल गार्डन के सामने खाली खेत में प्रस्तावित आतिशबाजी की दुकानों और बिक्री स्थल का भी निरीक्षण किया गया। डीसीपी ने लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले लोगों से बातचीत कर सुरक्षा मानकों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि दो दुकानों के बीच कम से कम तीन मीटर की दूरी होनी चाहिए और दुकानें आगने-सामने नहीं होनी चाहिए। दुकानों के ऊपर निर्धारित मानकों के अनुसार टीन शेड और पर्याप्त अग्निशमन उपकरणों की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखने के निर्देश दिए। त्योहार के दौरान बाजारों और बमरोली कटारा चौराहे पर यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए गए। पुलिसकर्मियों से कहा गया कि भीड़ के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न न हो और आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े।

सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाने की अपील

डीसीपी ने आमजन से दीपावली का पर्व सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने और किसी भी संधिध गतिविधि या आपात स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस हेल्पलाइन 112 अथवा नजदीकी थाने को देने की बात कही। पैदल गश्त के दौरान थाना प्रभारी दीपक तिवारी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजबहादुर, उपनिरीक्षक करन, कुलदीप, महिला उपनिरीक्षक अश्वनीपाल सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

बाह तहसील में अधिकारियों की समय से उपस्थिति पर उठे सवाल, अधिवक्ता शिवम पचौरी का वीडियो वायरल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बाह, आगरा। तहसील बाह में प्रशासनिक कार्यप्रणाली और अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर इन दिनों अधिवक्ता शिवम पचौरी का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने तहसील कार्यालय में अधिकारियों के निर्धारित समय पर उपस्थित न होने का आरोप लगाया है। वीडियो के सामने आने के बाद तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा तेज हो गई है। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व तहसील बाह में विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर अधिवक्ता शिवम पचौरी ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। उस समय उपजिलाधिकारी बाह द्वारा लिखित आश्वासन एवं शर्तों के आधार पर भूख हड़ताल समाप्त कराई गई थी। लेकिन अब एक बार फिर उसी समस्याओं और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वायरल वीडियो में अधिवक्ता ने कार्यालयों में अधिकारियों की समय से अनुपस्थिति का मुद्दा उठाते हुए व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब आम जनता अपने जरूरी कामों के लिए तहसील पहुंचती है और अधिकारी निर्धारित समय पर कार्यालय में उपलब्ध नहीं होते, तो गरीब, किसान और मजदूर अपनी समस्याओं का समाधान आखिर कैसे कराएं? क्या आम नागरिकों को अपने ही कामों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ेंगे? वहीं भूख हड़ताल समाप्त कराने के दौरान दिए गए लिखित आश्वासन के अनुपालन को लेकर भी प्रशासन की जवाबदेही तय करने की मांग उठ रही है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन वायरल वीडियो और उठाए गए सवालों का संज्ञान लेकर तहसील बाह की कार्यप्रणाली की जांच कराता है या फिर यह मामला भी अन्य जनसमस्याओं की तरह फाइलों तक ही सीमित रह जाएगा।

जेठानी देवरानी में मारपीट, एक घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। थाना निबोहरा क्षेत्र के ग्राम पलटूआपुरा में शनिवार मामूली बात को लेकर जेठानी और देवरानी के बीच हुई कहासुनी के बाद मारपीट हो गई, जिसमें एक घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को मेडिकल के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना निबोहरा क्षेत्र के ग्राम पलटूआपुरा निवासी पूजा देवी पूरी सुरेंद्र ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब बारह बजे जेठानी शांति देवी से विवाद हो गया था। आरोप है कि इस दौरान शांति देवी ने अपने पति के साथ मिलकर पूजा देवी के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गई। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायल महिला को थाने ले आई। पुलिस ने घायल पूजा देवी को मेडिकल परीक्षण के लिए भिजवाया गया पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

खेत में काम कर रहे किसानों के उड़ें होश : बाजरा की करब के बीच छिपा बैठा था 10 फीट का अजरगर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। थाना निबोहरा क्षेत्र के पंचाय गांव में खेत में बाजरा की करब उठाते समय निकला दस फीट लंबा अजरगर किसानों में मचा हड़कंप सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने अजरगर को रैस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना निबोहरा क्षेत्र की गांव पंचाय निवासी मुकेश तोमर पुत्र नाहर सिंह शनिवार दोपहर 2:00 बजे के करीब अपने खेत में बाजरा की करब उठा रहे थे। इसी दौरान 10 फीट लंबा अजरगर निकलने से मुकेश तोमर की चीख निकल गई। जानकारी पर बड़ी संख्या में आसपास के किसान मौके पर पहुंची और वन विभाग को सूचना दी जानकारी पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अजरगर को रैस्क्यू कर अपने साथ ले गई और जंगल में छोड़ दिया गया।



सरदार पटेल की जयंती पर विद्यार्थियों ने लिया राष्ट्रीय एकता का संकल्प

562 रियासतों के

एकीकरण में लौह पुरुष

के योगदान को किया याद



मोर्निंग सिटी संवाददाता

किरावली: विद्या भारती विद्यालय अनार देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, किरावली में शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर किया गया। प्रधानाचार्य श्याम हरि शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। वह स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री थे। उन्होंने 562 देशी रियासतों का एकीकरण कर देश की एकता और अखंडता को मजबूत किया। उनके योगदान की स्मृति में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। दीक्षा, अनामिका, शालिनी, बरखा, देवेन्द्र, कुष्मांत, सुबोध, कुमार रविंद्र, गंगाप्रसाद, चंद्रपाल सिंह और नरेश सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी से चूके जोकोविच



स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट : जर्मन खिलाड़ी स्ट्रफ से हारे नोवाक

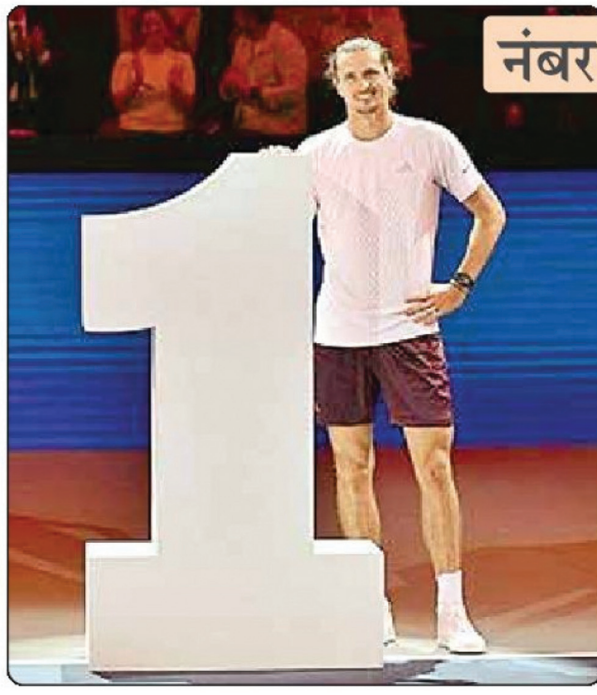
बासेल

नोवाक जोकोविच ने स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट में हारने के कारण स्विट्जरलैंड के दिग्गज रोजर फेडरर के करियर के 103 खिताब की बराबरी करने का मौका गंवा दिया। जोकोविच के पास फेडरर के गृहनगर बासेल में यह उपलब्धि हासिल करने का मौका था लेकिन वह विश्व में 47वें नंबर के जर्मन खिलाड़ी जान-लेनार्ड स्ट्रफ से 6-7 (4), 7-5, 7-6 (5) से हार गए।

रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन जोकोविच ने इस महीने बीजिंग में अपना 102वां टूर खिताब जीता था। एटीपी टूर में सर्वाधिक 109 खिताब जीतने का रिकॉर्ड जिमी कॉनर्स के नाम पर है। उनके बाद फेडरर और जोकोविच का नंबर आता है।

शेल्टन नहीं जीत पाएंगे आठवां खिताब

शॉर्ष करियरता प्राप्त बेन शेल्टन भी अपना आठवां करियर खिताब नहीं जीत पाएंगे। उन्हें वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले विश्व में 222वीं रैंकिंग के स्विस खिलाड़ी जेरेम किम से 6-3, 6-7 (4), 7-6 (1) से हार का सामना करना पड़ा। किम का अगला मुकाबला जिरी लेहेका से होगा, जिन्होंने डैनियल अल्तमायर को 7-5, 6-4 से हराया। इससे पहले दूसरी करियरता प्राप्त आर्थर फिल्स ने अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन को एक कड़े मुकाबले में 4-6, 6-3, 7-6 (5) से पराजित किया। क्वार्टरफाइनल में फिल्स का सामना एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी छठी करियरता प्राप्त टेलर फ्रिटज से होगा, जिन्होंने डेनिस शापोवलोव पर 6-4, 6-3 से आसान जीत दर्ज की।



नंबर वन ताज पर ज्वेरेव का कब्जा

वियना

पिछले कुछ समय से बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले ज्वेरेव आखिरकार सोमवार को दुनिया के नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। सोमवार को जब नई टेनिस रैंकिंग जारी होगी तो 29 वर्षीय ज्वेरेव नंबर एक पर काबिज होंगे। उन्होंने एस्टर् बैक ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर अपने लिए नंबर एक रैंकिंग सुनिश्चित की। उन्होंने टेलन ग्रीक्सपेर को 6-4, 7-5 से हराया।

शीर्ष पर होने का अहसास अद्भुत : ज्वेरेव

इस साल फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन जीतने वाले ज्वेरेव ने कहा, दुनिया के शीर्ष पर होने का अहसास अद्भुत है। यह किसी टूर्नामेंट या खिताब को जीतने से अलग है, लेकिन यह जानकर बहुत खास अहसास होता है कि जब नई रैंकिंग जारी होगी तो आपका नाम नंबर एक पर लिखा होगा।

सिन्नर की लेगे जगह

इस टूर्नामेंट में आगे के परिणाम कुछ भी रहे ज्वेरेव या सिन्नर की जगह रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच जायेंगे ज्वेरेव नंबर एक पर पहुंचने वाले 30वें पुरुष खिलाड़ी और 1974 में 30 वर्षीय जॉन न्यूकम्ब के बाद शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे। एटीपी रैंकिंग की शुरुआत इससे एक साल पहले ही हुई थी।

सीरीज पर कब्जा जमाने उतरेगी भारत 'ए' टीम

आज से न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा अनौपचारिक टेस्ट

क्राइस्टचर्च

देवदत्त पंडिकल की शानदार फॉर्म और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की वापसी से भारत ए को मजबूती मिली है और वह शनिवार से शुरू होने वाले दूसरे अनौपचारिक चार दिवसीय टेस्ट में न्यूजीलैंड ए को हराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय खिलाड़ियों को चार दिवसीय मैच से तैयार होने में मदद मिलेगी।

शानदार फॉर्म में पंडिकल

पंडिकल निस्संदेह अब तक भारत ए के लिए सबसे सकारात्मक पहलू रहे हैं, जिन्होंने पहले मैच में शतक बनाकर टीम को वापसी दिलाई थी। भारत ए की टीम पहली पारी में 39.3 ओवर में केवल 113 रन पर आउट हो गई थी। इसके बाद बाएं हाथ के प्रतिभाशाली बल्लेबाज पंडिकल ने शानदार 199 रन बनाकर टीम को दूसरी पारी में 516 रन तक पहुंचाने में मदद की और न्यूजीलैंड ए के सामने 313 रन का लक्ष्य रखा। उन्होंने अपनी स्पिन गेंदबाजी से दो विकेट भी लिए।



तेज गेंदबाजी आक्रमण को मिलेगी मजबूती

सिराज के शामिल होने से तेज गेंदबाजी आक्रमण को और मजबूती मिलेगी क्योंकि वह आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला में जसप्रीत कुमार के साथ नई गेंद संभालने के लिए पूरी तरह से तैयार होने की कोशिश करेंगे। बुगराड और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के लेंकिंग में होने वाले तीसरे अनौपचारिक टेस्ट में खेलने की संभावना है, जिसमें नीतीश कुमार रेड्डी की भी वापसी होगी। जहां तक न्यूजीलैंड की टीम का सवाल है तो उसने पहले दो दिन तक दबदबा बनाया लेकिन अपनी लय बरकरार नहीं रख सका। उसकी टीम अब अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

चौथे टी20 में न्यूजीलैंड ने भारत को 87 रन से हराया

न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा स्कोर

फिलिप्स का तूफानी शतक और डफी की घातक गेंदबाजी



शांत रहा ईशान और सैमसन का बल्ला

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत की दरकार थी, लेकिन तेज गेंदबाज डफी ने पहले ही ओवर में संजु सैमसन (चार) और ईशान किशन (शून्य) को आउट कर उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारत ने पहले ओवर के बाद दो विकेट पर महज चार रन बनाए थे। इस शुरुआती झटके से टीम अंत तक नहीं उबर सकी। भारत की ओर से तीसरे विकेट के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर (22) और अभिषेक शर्मा (27) के बीच 46 रन की साझेदारी सबसे बड़ी रही। यह भारतीय बल्लेबाजी की नाकामी को बर्दाश्त करने के लिए काफी थी। आमतौर पर आक्रमक बल्लेबाजी करने वाले अभिषेक इस बार लय में नहीं दिखे। वह मैथ्यू फिशर की गेंद पर कवर में मिवेल सेंटर को कैच धमा बड़े। अय्यर ने एडम मिले की गेंद पर जगह बनाकर शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन 143 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद उनके बल्ले को छकाती हुई सीधे स्टेप पर जा लगी। न्यूजीलैंड के कप्तान मिवेल सेंटर ने भी करीबी मुठभेड़ में गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर दो विकेट लिए।

फिलिप्स ने बनाए 49 गेंदों में 107 रन

फिलिप्स ने 49 गेंदों में 107 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि बेसबेल ने महज 25 गेंदों में 65 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए केवल 41 गेंदों में 115 रन की साझेदारी कर भारतीय गेंदबाजी की कलाई खोल दी। टिम सीफर्ट और डेरिल मिचेल को तेज गेंदबाज मयंक यादव ने फ्लोरियन मेजरकर न्यूजीलैंड को शुरुआती झटके दिए। इसके बाद फिलिप्स और फिन एलन ने तीसरे विकेट के लिए 59 रन जोड़कर पारी को संभाला। फिलिप्स और बेसबेल ने पारी का रुख बदल दिया। फिलिप्स ने प्रिस यादव के खिलाफ आक्रमक बल्लेबाजी करते हुए एक ओवर में एक छक्का और तीन चौके लगाए। इसके बाद उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी को भी निशाने पर लिया।

ब्रेसवेल ने 18 गेंदों में किया अर्धशतक पूरा

बेसबेल भी दूसरे ओर से भारतीय गेंदबाजी पर कहर बनकर टूटे। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल के एक ओवर में लगातार तीन चौके और एक छक्का जड़ा। बेसबेल ने महज 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत की ओर से मयंक यादव सबसे प्रभावशाली गेंदबाज रहे। उन्होंने 140 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर बल्लेबाजी को परेशान किया।

3 महीने बाद मैदान में उतरने को तैयार जेमिना



नई दिल्ली। बल्लेबाज जेमिना रोड्रिग्स ने घोषणा की कि वह अगस्त में लगी चोट से पूरी तरह उबर चुकी हैं और मुंबई के लिए मैदान पर उतरने को तैयार हैं। जेमिना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए चोट से उबरने के बाद खुद को पूरी तरह फिट घोषित किया। उन्होंने लिखा, 'जीवन से जुड़ा अपडेट, मुझे (हैमस्ट्रिंग) फिट घोषित कर दिया गया है। तीन महीने तक चोट से उबरने (रिहब) के बाद अब मैं मैदान पर वापसी करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती।' भारतीय महिला क्रिकेट टीम का अगला दौरा दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका का होगा, जिसमें टीम कई प्रारंभिक की सीरीज खेलेगी। इसके अलावा जेमिना मौजूदा सीनियर महिला टी20 टूर्नामेंट में मुंबई की टीम की ओर से भी खेल सकती हैं।

खबर संक्षेप



अंडर 15 वर्ल्ड कप : भारत ने क्यूबा को हराया

बाकु। भारत ने फीफा अंडर 15 वर्ल्ड कप एंड फेस्टिवल में शुक्रवार को अपने आखिरी मैच में क्यूबा को 6-4 से हराया। भारत 189 देशों की भागीदारी वाले टूर्नामेंट में 87वें स्थान पर रहा। भारत के लिए विकटर लालावमुस्सा, निबास मीहते और आर लालरेड्डीआफेला ने दो-दो गोल किए। भारत ने टूर्नामेंट में लाओस, कैमरून, बहरीन, त्रिनिदाद और टोबैगो और क्यूबा को हराया जबकि सेनेगल, होंडुरास, अफगानिस्तान और कजाखस्तान से हारा। ग्रेनेडा के खिलाफ भारत का मुकाबला ड्रा रहा।

हांगकांग सिक्सेस : पाक से हारी टीम इंडिया

कोवलून। भारत को हांगकांग इंटरनेशनल सिक्सेस के मैच में पाकिस्तान ने 4 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर भारत 6 ओवर में 5 विकेट पर 88 रन ही बना सका। शशांक सिंह ने 11 गेंद में 40 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में 2विकेट पर 92 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज ख्वाजा नफे और अब्बास अफरीदी ने 13 गेंद में 59 रन की साझेदारी की। अफरीदी ने पहले ही ओवर में कृणाल पंड्या को 5 छक्के लगाए। इससे पहले भारत को राहुल त्रिपाठी और नीतीश राणा अच्छी शुरुआत नहीं दे सके। कप्तान पंड्या और राहुल त्रिपाठी भी नाकाम रहे। पहले मैच में यूएई से हारी पाकिस्तानी टीम अब युएई में शीर्ष पर है जबकि भारत आखिरी स्थान पर खिसक गया है।

अन्वय द्रविड़-आर्यवीर सहवाग अंडर 19 भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज खिलाड़ियों राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे अन्वय द्रविड़ और आर्यवीर सहवाग को अंडर-19 एशिया कप के लिए शुक्रवार को घोषित भारतीय टीम में शामिल किया गया है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) पुरुष अंडर-19 एशिया कप का आयोजन वनडे प्रारूप में 5 से 14 नवंबर तक ओमान की राजधानी मस्कट में किया जाएगा। कर्नाटक के अन्वय और दिल्ली के आर्यवीर ने हाल ही में संपन्न वीनू मांकड़ ट्राफी में अपनी आक्रमक बल्लेबाजी से प्रभावित करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। 17 साल के अन्वय ने इस



महीने की शुरुआत में अंडर-19 प्रतियोगिता में गुजरात के खिलाफ महज 100 गेंदों पर 151 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। उनकी इस पारी की बदौलत कर्नाटक ने 300 से अधिक रन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। उन्नीस वर्षीय आर्यवीर सहवाग ने भी वीनू

मांकड़ ट्राफी में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने विजयनगरम में चंडीगढ़ के खिलाफ 143 गेंदों पर 173 रन की तूफानी पारी खेली थी।

लक्ष्य रायचंदानी को भारतीय टीम की कप्तानी

लक्ष्य रायचंदानी को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई है तो वहीं यशवर्धन सिंह चौहान उपकप्तान होंगे। भारत को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ रखा गया है। ग्रुप-बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और मलेशिया की टीमों शामिल हैं। दोनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमों सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी।

एमआई के बल्लेबाजी कोच बने उथप्पा

नई दिल्ली। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2027 के सत्र से पहले शुक्रवार को अपने कोचिंग स्टाफ में ध्यापक फेरबदल करते हुए पूर्व भारतीय बल्लेबाज रोबिन उथप्पा को अपना बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया।



उथप्पा के अलावा न्यूजीलैंड के मिशेल मैक्लेनाघन को गेंदबाजी कोच, जबकि पूर्व भारतीय क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप को इसी भूमिका में नियुक्त किया गया है। फ्रेंचाइजी ने ध्यान कुलकर्णी को विकास गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। इस तरह से उथप्पा, मैक्लेनाघन और कुलकर्णी की मुंबई इंडियंस की टीम में वापसी हो रही है। जो पहले खिलाड़ी के तौर पर इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रह चुके हैं। यह तीनों नवनिर्भर मुख्य कोच कारोना पोलार्ड के साथ मिलकर नए कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनेंगे। उथप्पा 2007 में पुरुष टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। यह 40 वर्षीय खिलाड़ी आईपीएल के पहले सत्र में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेला था।

गर्दन की चोट के कारण हटीं एलेना रिबाकिना सेमीफाइनल में पहुंचीं लेयला फर्नांडीज



टेफिको

दुनिया की नंबर 1 एलेना रिबाकिना का पैन पैसिफिक ओपन में अभियान शुक्रवार को समय से पहले समाप्त हो गया। कजाकिस्तान की इस खिलाड़ी ने गर्दन की चोट के कारण डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इस वजह से कनाडा की लेयला फर्नांडीज सेमीफाइनल में पहुंच गईं। रिबाकिना ने गर्दन में सूजन और दर्द को नाम वापस लेने का कारण बताया। उन्होंने कहा कि इस समस्या ने उनके बेस्ट परफॉर्म करने की क्षमता

पर असर डाला था। रिबाकिना ने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मुझे अपने अगले मैच से हटना पड़ा है। बदकिस्मती से, मेरी गर्दन में सूजन और दर्द हो रहा है, जिससे मैं अपना बेस्ट नहीं दे पा रही हूँ। यह बहुत मुश्किल फैसला है, क्योंकि मुझे यहां खेलना पसंद है और मैं हमेशा फैंस के जबरदस्त सपोर्ट की तारीफ करती हूँ। मुझे उम्मीद है कि मैं अगले साल फिर वापस आऊंगी। आप सभी की समझदारी और समर्थन के लिए धन्यवाद।

जमीनी स्तर पर क्रिकेट का वैश्विक उत्सव, जुड़े 10 लाख खिलाड़ी 1 नवंबर को मनाया जाएगा पहला 'क्रिओ डे'

एजेंसी ►► दुर्ब

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जमीनी स्तर पर क्रिकेट के वैश्विक उत्सव 'क्रिओ डे' की शुरुआत की घोषणा की, जो 1 नवंबर को आयोजित होगा। यह पहल दुनिया भर में इस कार्यक्रम से जुड़ने वाले खिलाड़ियों की संख्या 10 लाख पहुंचने की उपलब्धि के मौके पर शुरू की गई है। 'क्रिओ' कार्यक्रम ने 2021 में शुरुआत के बाद से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में क्रिकेट के खेल को पहुंचाने में मदद की है। नए देशों और खिलाड़ियों को क्रिकेट से



परिचित कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया 'क्रिओ' कार्यक्रम 18 भाषाओं में मुफ्त और आसानी से

अपनाए जा सकने वाले पाठ्यक्रम के माध्यम से संचालित होता है। यह आईसीसी

का शुरुआती स्तर का और दुनिया भर में सभी के लिए सुलभ क्रिकेट कार्यक्रम है।

क्रिकेट 'कभी भी, कहीं भी'

आईसीसी के अनुसार यह कार्यक्रम इस सिद्धांत पर आधारित है कि क्रिकेट 'कभी भी, कहीं भी' और कोई भी खेल सकता है। वर्ष 2021 से 'क्रिओ' ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय को एकजुट करके इस खेल के विकास में योगदान दिया है। इस वैश्विक अभियान से जुड़ने वाली 10 लाखों खिलाड़ी नाइजीरिया की 13 वर्षीय सैदत हमजात बनी हैं। यह कार्यक्रम दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंच चुका है। आईसीसी के 65 एसोसिएट सदस्य देशों ने अपने राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम शुरू किए हैं। वहीं, आईसीसी के सभी 12 पूर्ण सदस्य देशों में प्रमाणित 'क्रिओ' प्रशिक्षक मौजूद हैं।

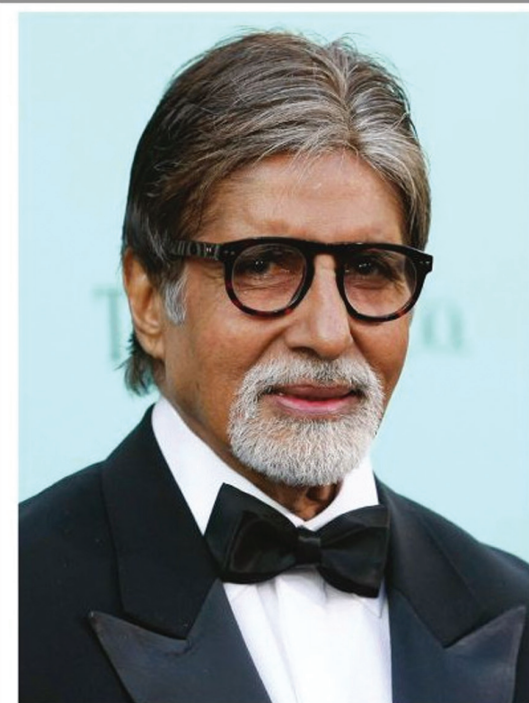
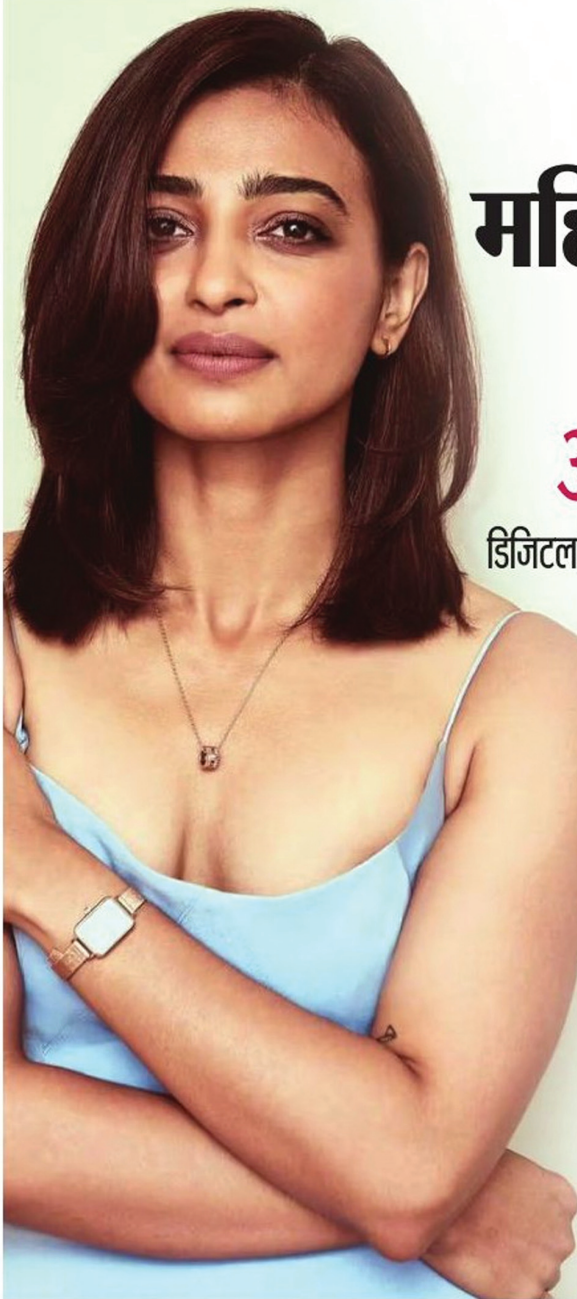


फिल्म ओम में दमदार पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगी अभिनेत्री साई पल्लवी

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म ओम को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है। इस फिल्म में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और मलयालम सिनेमा के महानायक ममूटी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म की प्रमुख अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार से पर्दा हटाकर प्रशंसकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। साई पल्लवी इस फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की एक जांबाज और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। इस घोषणा के बाद से ही साई पल्लवी के नए और सफल अवतार को देखने के लिए दर्शकों की बेताबी साफ नजर आ रही है। दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की मौजूदगी भी इस प्रोजेक्ट को और अधिक भव्य और प्रासंगिक बनाती है। फिल्म के शीर्षक के साथ चैप्टर 1 जोड़ा गया है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि यह एक बहुस्तरीय कहानी है और भविष्य में इसका सीक्वल भी दर्शकों के सामने आ सकता है। कुछ समय पहले जारी किए गए झलक वीडियो (टीजर) से यह साफ हुआ था कि फिल्म की मुख्य कहानी जंगलों में अवैध रूप से लाल चंदन की कटाई करने वाले मजदूरों और उनके संघर्षपूर्ण जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में धनुष एक लकड़हारे की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी में मुख्य मोड़ तब आता है जब पुलिस अधिकारी अवैध कटाई में शामिल मजदूरों को हथियार के बल पर बंदी बना लेते हैं और धनुष उनके रक्षक बनकर सामने आते हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी मेकर्स ने काफी सुझाबुझ से निर्णय लिया है। पहले इस फिल्म को अक्टूबर महीने में प्रदर्शित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अभिनेता धनुष ने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए अपनी फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया। इसके साथ ही, दिवाली के अवसर पर अन्य बड़ी फिल्मों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह के व्यावसायिक टकराव से बचने के लिए निर्माताओं ने 20 नवंबर की तिथि को अंतिम रूप दिया है। धनुष और ममूटी जैसे दो विशाल अभिनेताओं का पहली बार एक साथ किसी प्रोजेक्ट में काम करना इस फिल्म को इस साल की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में शामिल करता है।

लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में रसिका

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में भले ही तकनीक के सहारे बड़े बजट और भव्य सेट वाली फिल्में बन रही हों, लेकिन आम जिंदगी से जुड़ी सीधी और सरल कहानियों की अपनी एक अलग अहमियत होती है। फिल्म की कहानी एक छोटे बच्चे थॉमस की बाल सुलग जिज्ञासा और उसकी मासूमियत के इर्द-गिर्द घूमती है। वह जानना चाहता है कि बच्चे कहाँ से आते हैं और अपने लिए एक भाई या बहन की चाहत रखता है। रसिका दुग्गल के अनुसार, बच्चों के सवाल और उनकी उत्सुकता को कभी कम नहीं आँकना चाहिए। दुनिया को बच्चों के नजरिए से देखना एक बेहद खूबसूरत अनुभव है। इस फिल्म में बचपन, पारिवारिक रिश्तों और वैवाहिक जीवन के उतार-चढ़ाव को सहज ढंग से दर्शाया गया है।



अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने एक महत्वपूर्ण संदेश किया साझा

विभिन्न लोकप्रिय धारावाहिकों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने वाली अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने देश में सामाजिक सौहार्द, शांति और धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने धर्म से सच्चा प्रेम करें, लेकिन साथ ही दूसरों के धार्मिक अकीदों और आस्थाओं का भी पूरा सम्मान करें। अपने बयान में अभिनेत्री ने हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों में हुए विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रतिकूल प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि त्योहारों के व्यस्त सीजन के दौरान ऐसे प्रदर्शनों के कारण व्यापारिक गतिविधियों को लगभग 3000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है, जो एक विकासशील देश के लिए काफी चिंताजनक है। पवित्रा पुनिया ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि कई लोग बुनियादी तथ्यों को समझे बिना ऐसी आर्थिक समस्याओं और आंकड़ों का सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने देश की जमीनी हकीकत पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जब कोई आम नागरिक दो वक्त की रोटी के लिए कड़ा संघर्ष कर रहा हो, तब इस तरह के गतिरोध देश के हित में नहीं हो सकते। उन्होंने युवा पीढ़ी (जेन जी) का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ प्रभावकारियों (इन्फ्लुएंसर्स) द्वारा फैलाई जा रही मनगढ़ंत बातों और भ्रामक जानकारीयों से युवाओं को बचना चाहिए। युवाओं में अपार क्षमता और ज्ञान है, इसलिए उन्हें किसी के बहकावे में आकर अपनी सोच को दूषित नहीं करना चाहिए। एक सनातनी हिंदू होने पर गव्य व्यक्त करते हुए पवित्रा ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी अन्य समुदाय या धर्म के लोगों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने भारत के सामाजिक ताने-बाने को याद दिलाते हुए कहा कि बांटो और राज करो की विभाजनकारी सोच कुछ स्वास्थी तत्वों की देन है, जो देश की मूल भावना के विपरीत है। अपने व्यक्तिगत जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके आसपास कई मुस्लिम परिवार रहते हैं और सभी लोग आपस में प्रेम, भाईचारे और शांति के साथ मिलकर रहते हैं। भारत की असली ताकत उसकी सांस्कृतिक विविधता और एकता का अनूठा बंधन है, जिसे हर कीमत पर सुरक्षित और अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए।



अभिनेत्री सैयामी खेर जल्द ही एक इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म के जरिए अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपना पदार्पण करने जा रही हैं। इस अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट के अपने अनुभवों को साझा करते हुए सैयामी ने बताया कि एक विदेशी कू के साथ मॉस्को में शूटिंग करना उनके लिए बेहद नया और रोमांचक अनुभव था। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के लोगों के साथ काम करने से कहानी को देखने और समझने का एक नया वैश्विक नजरिया मिलता है। सैयामी खेर के अनुसार भाषा और देश की सीमाओं से परे जाकर काम करना किसी भी कलाकार के लिए सीखने का बहुत बड़ा अवसर होता है। हालांकि उन्होंने फिल्म की विस्तृत कहानी का खुलासा नहीं किया, लेकिन बताया कि यह एक मजबूत महिला चरित्र पर आधारित गहन ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन रूसी निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं। सैयामी इससे पहले निर्देशक प्रियदर्शन की बहुचर्चित क्राइम थ्रिलर फिल्म हेवान में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में थे।



फिल्म का निर्देशन रूसी निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं। सैयामी इससे पहले निर्देशक प्रियदर्शन की बहुचर्चित क्राइम थ्रिलर फिल्म हेवान में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में थे।

फिल्म सेट पर महिलाओं के मतभेद की धारणा को राधिका आप्टे ने बताया गलत

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

बॉलीवुड की बहुमुखी अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही आगामी डिजिटल वेब सीरीज अक्का में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उनके साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में इस सीरीज के प्रचार के सिलसिले में बात करते हुए राधिका आप्टे ने फिल्म सेट पर महिला कलाकारों के आपसी संबंधों को लेकर वर्षों से चली आ रही रूढ़िवादी धारणाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने उस प्रचलित सोच को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें यह दावा किया जाता है कि जब दो महिला कलाकार किसी प्रोजेक्ट में एक साथ काम करती हैं, तो उनके बीच अवसर अनबन, मनमुटाव या झगड़े होते हैं। राधिका आप्टे का मानना है कि किसी भी कार्यस्थल का माहौल किसी व्यक्ति के लिंग से तय नहीं होता, बल्कि यह लोगों के आपसी तालमेल और व्यवहार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद पुरानी और आधारहीन सोच है कि महिलाएं आपस में तालमेल नहीं बैठा पातीं। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि कई बार पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक असुरक्षा की भावना देखी जाती है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुद्दा पुरुष या महिला होने का नहीं है, बल्कि यह विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत संबंधों और आपसी समझ का विषय है। किसी भी क्षेत्र में आप कुछ लोगों के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं और आसानी

से घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ लोगों के साथ आपका मानसिक तालमेल नहीं बैठ पाता। वेब सीरीज अक्का के शूटिंग सेट का अनुभव साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वहां का माहौल अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक था। सेट पर कैमरे के सामने काम करने वाली स्टारकास्ट और कैमरे के पीछे काम करने वाली तकनीकी टीम में महिलाओं और पुरुषों की लगभग समान भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि सेट पर एक बहुत ही खूबसूरत सिस्टरहुड यानी बहनों जैसा माहौल था, जिसमें पूरी शूटिंग प्रक्रिया को बहुत सहज और आनंददायक बना दिया। इसके साथ ही राधिका आप्टे ने यह भी रेखांकित किया कि काम के सिलसिले में किसी के साथ अच्छा तालमेल होने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप उनके बहुत गहरे मित्र बन जाएं। बिना करीबी दोस्त बने भी एक पेशेवर और गरिमापूर्ण माहौल में बेहतर काम किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि वेब सीरीज अक्का एक थ्रिलर मैगैज़न ड्रामा है, जिसमें महिलाओं को मुख्यधारा में दिखाया गया है। इस सीरीज का निर्देशन धर्मराज शेठ्री ने किया है, जो इस शो के लेखक भी हैं। यह कहानी 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक काल्पनिक दुनिया को दर्शाती है, जिसे पीढ़ियों से महिलाओं ने ही बनाया, चलाया और संरक्षित रखा है। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज 30 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है।



मां बनने के बाद शरीर में आए बदलावों और मानसिक संघर्ष पर करिश्मा तन्ना का छलका दर्द

हाल ही में मातृपद प्राप्त करने वाली मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले प्राकृतिक बदलावों और उससे जुड़ी मानसिक चुनौतियों पर बेहद संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि एक नन्हें शिशु को जन्म देने के बाद अपने बदले हुए शरीर को स्वीकार करना और उसके साथ सामंजस्य बिटाना कभी-कभी काफी कठिन और थकाऊ साबित होता है। अभिनेत्री ने अपने दिल के उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार उन्हें गर्भावस्था से पहले वाले अपने सुगठित शरीर की बेहद याद आती है। जब भी वह आईने के सामने खड़ी होती हैं, तो पेट का ढीलापन, त्वचा में आई शिथिलता और शारीरिक आकार में आए बदलाव उन्हें स्पष्ट नजर आते हैं। कपड़े खरीदने या तैयार होने की इच्छा भी ऐसे समय में अक्सर खत्म हो जाती है, जो किसी भी नई मां के लिए मानसिक रूप से काफी भारी पड़ सकता है। हालांकि, करिश्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी स्थितियों में खुद के प्रति कठोर होने के बजाय दयालुता का भाव रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने खुद को यह याद दिलाया कि उनके शरीर ने एक नए जीवन को जन्म दिया है और उसके विकास के लिए नौ महीनों तक सुरक्षित माहौल प्रदान किया है। शिशु के जन्म को अभी केवल ढाई महीने का समय ही बीता है, ऐसे में इतनी जल्दी पुरानी शारीरिक संरचना को वापस पाने की उम्मीद लगाना बेमानी है। करिश्मा का मानना है कि एक महिला एक ही समय में मां बनने के सुखद अनुभव के प्रति आभारी भी हो सकती है और साथ ही अपने पुराने स्वरूप को खोने का दर्द भी महसूस कर सकती है। यह दोनों भावनाएं बिल्कुल स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि जिस कोमलता और प्रेम की हकदार मां अपने बच्चों को मानती हैं, वही कोमलता उन्हें खुद अपने प्रति भी दिखानी चाहिए। वे अब अपनी शारीरिक बनावट को आलोचना करने के बजाय अपने शरीर को ठीक होने, मजबूत बनने और पुनः सहज महसूस करने का पूरा समय दे रही हैं। उन्होंने अन्य सभी माताओं को सात्वना देते हुए कहा कि वे इस मानसिक और शारीरिक सफर में बिल्कुल अकेली नहीं हैं। गौरतलब है कि करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगरा ने इस वर्ष अप्रैल में अपने पहले बच्चे के आगमन की खुशखबरी साझा की थी, जिसके बाद जुलाई में उनके घर एक सुंदर बेटे का जन्म हुआ।

परिणीति के समर्थन में उतरी जेनिफर

वेब सीरीज शक : ट्रस्ट नो वन की सफलता के उपलक्ष्य में आयोजित एक पार्टी के दौरान का वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। वायरल वीडियो में ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे परिणीति ने अपनी सह-कलाकार जेनिफर विंगेट को फोटो विलक कराने के दौरान नजरअंदाज किया। अब इस विवाद पर खुद जेनिफर विंगेट ने चुप्पी तोड़ी है और परिणीति चोपड़ा का समर्थन करते हुए सभी तरह की अफवाहों और ट्रोलिंग को खारिज कर दिया है। जेनिफर विंगेट ने स्पष्ट किया कि उनके और परिणीति के बीच किसी भी प्रकार की अनबन नहीं है। उन्होंने बताया कि पार्टी के दौरान मंच पर जगह की कमी थी, जिसके कारण वे स्वयं पीछे हट गई थीं। परिणीति हमेशा उनके प्रति बहुत ही दयालु और सम्मानजनक रही हैं। जेनिफर ने लोगों की कि वे इस साधारण सी बात को गलत रूप देकर नकारात्मकता न फैलाएं।



अमिताभ बच्चन ने पारंपरिक अंधविश्वासों पर उठाए सवाल कहा- आधुनिक पीढ़ी मानती है केवल वैज्ञानिक तर्क

भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन अक्सर अपने विचारों और अनुभवों को अपने व्यक्तिगत ब्लॉग के माध्यम से प्रशंसकों के साथ साझा करते रहते हैं। अपने एक हालिया ब्लॉग पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने समाज में गहराई से रची-बसी पुरानी परंपराओं, मान्यताओं और अंधविश्वासों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकांश लोग बिना किसी तर्क या अर्थ को समझे केवल पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही प्रथाओं का पालन करते आ रहे हैं। अपने इस लेखन में उन्होंने इस बात पर गहराई से प्रकाश डाला कि किस प्रकार समय बीतने के साथ इंसान की व्यक्तिगत इच्छाएं, सोच और जीवन को देखने का नजरिया पूरी तरह से बदल जाता है। ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि इंसान के जीवन में एक ऐसा पड़ाव भी आता है जब वह उन सभी चीजों को दोबारा करना चाहता है, जिनसे उसे अतीत में रोका गया था। उन्होंने जीवन के बदलते चक्र का वर्णन करते हुए कहा कि एक समय में इंसान पूरी तरह से बेफिक्र होता है और फिर जीवन के उत्तरार्ध में वह दोबारा उसी बेफिक्री को पाना चाहता है। इंसान का दिमाग कई बार अजीब तरह से निर्णय लेता है, लेकिन यह प्रक्रिया इंसान को एक अलग प्रकार का मानसिक सुकून भी प्रदान करती है। परंपराओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने

शनिवार को नाखून न काटने जैसी मान्यताओं का उदाहरण दिया। उन्होंने लिखा कि शनिवार को नाखून न काटने को अशुभ माना जाता है और यह प्रथा केवल अज्ञात डर के कारण आज भी समाज में अपनी जगह बनाए हुए है। इसके साथ ही उन्होंने रत्नों से जुड़े अंधविश्वासों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा कि लोग कहते हैं कि हरा पत्थर मत पहनो, बल्कि उसकी जगह एक हरे रंग की शॉल अपने पास रख लो। इस पर सवाल उठाते हुए अमिताभ बच्चन ने पूछा कि उस निर्दोष पत्थर ने किसी का क्या बिगाड़ा है और पास में रखी हरी शॉल किसी व्यक्ति के लिए किस प्रकार लाभदायक साबित हो

सकती है। इन खोखले तर्कों पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि डर के कारण लोग आज्ञाकारी बनकर इन प्रथाओं को स्वीकार करते रहते हैं। हालांकि, महानायक ने यह भी स्वीकार किया कि आज की आधुनिक पीढ़ी अंधविश्वासों को आंख मूंदकर स्वीकार नहीं करती है। वर्तमान पीढ़ी किसी भी प्रथा को अपनाने से पहले उसके पीछे के वैज्ञानिक, शारीरिक और मानसिक कारणों को समझती है। आज के युवा केवल उन्हीं परंपराओं और जीवनशैली को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाते हैं, जिनसे उनके स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार हो सके।